जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

बीकानेर, मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

धन बढ़ेगा, घर बसेगा

15 लाख का लाभ मिलेगा

दिवाली पर 15 लाख रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

दिवाली बाद करोड़ों में मिलेगी कोठी !

गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं।

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	63.45 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	70.50 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	77.55 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	84.60 LACS	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	98.70 LACS	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.41 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। –धर्मवीर भारती

यह देश है ठगने वालों का.....

वर्ष 1957 में एक फिल्म आई थी 'नया दौर'। यह फिल्म काफी प्रसिद्ध हुई और हिट भी हुई। इस फिल्म में एक गाना था "यह देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का......"। यह फिल्म स्वतंत्रता के 10 वर्ष बाद बनी थी और समय पूरे देशवासियों में एक नए उत्साह का संचार हो रहा था और वे सभी स्वतंत्र भारत में अपने सुनहले भविष्य की ओर देख रहे थे। इसीलिए समय इस फिल्म का नाम भी नया दौर रखा गया।

अब जबकि स्वतंत्र हुए हमें 77 वर्ष हो चुके हैं, और इस फिल्म को रिलीज हुए भी 67 वर्ष हो गए हैं, यदि आज इसी तर्ज पर किसी गीतकार को गीत लिखना होता, तो उसके बोल कुछ इस प्रकार के होते, "यह देश है ठगने वालों का........"।

ऐसा क्यों कहा जा रहा है, यह समझना उपयुक्त होगा।

सबसे पहले तो यह स्पष्ट करना आवश्यक है की चोरी, डाका और ठगी एक समान समान नहीं हैं। चोरी जहां व्यक्ति की अनुपस्थिति में और जानकारी के बिना की जाती है वहीं डाका खुलेआम डरा-धमका कर डाला जाता है, जबकि ठगने वाला व्यक्ति ऐसा व्यवहार करता है जैसे वह किसी की भलाई का काम कर रहा है किंतु वास्तव में वह जिसकी भलाई का दावा करता है, वास्तव में उसी को क्षति पहुंचाने का काम करता है। इस प्रकार के कृत्य को ठगी कहा जाता है।

प्रतिदिन हम समाचार पत्रों में पढ़ते हैं कि कैसे भोले भाले लोग अनेक प्रकार से ठगे जा रहे हैं। आधुनिकतम तकनीक एवं डीजीटल प्रगति ने, साधारण नागरिकों को ठगने का एक अच्छा माध्यम उपलब्ध करा दिया है। हम प्रतिदिन पढ़ते हैं कि कैसे ई-कॉमर्स वाली कंपनियां लोगों को खराब समान देकर ठग रही हैं। विदेशी पर्यटक महंगे रत्न खरीद कर ले जाते हैं और बाद में पता लगता है कि उन्हें साधारण पत्थर दे दिए। ऐसी अनेक शिकायतें मुझे निदेशक, पर्यटन के रूप में मिलती थीं।

अनेक महिलाएं उन व्यक्तियों के द्वारा ठगी गई हैं, जिन्होंने उनके स्वर्ण आभूषणों को चमकाने का दावा किया था और इसी प्रक्रिया में वह आभूषणों में से काफी सोना निकाल कर ले गए।

आजकल तो आपके पास किसी मेल अथवा मैसेज में प्राप्त लिंक पर क्लिक करते ही आपके बैंक से सारा पैसा निकल सकता है। 'वीडियो अरेस्ट' का एक नया तरीका ढूंढा है ठगों ने। इसके माध्यम से लच्छेदार बातों से इस प्रकार का वातावरण बना देते हैं कि जिसे ठगा जा रहा है वह जाकर भी उस प्रक्रिया से अलग नहीं हो सकता। यह सब तो तब है जबकि तकनीकी प्रगति बहुत तेज गति से हुई है। पहले तो केवल निरक्षर और गांव के लोग ही ठगे जाते थे, किंतु अब तो ऐसे भी कई लोग ठगे गए हैं जो उच्च प्रशासनिक और पुलिस पदों पर हैं। साइबर ठगी के लगभग 70000 के मामले प्रतिवर्ष दर्ज हो रहे हैं। इससे कई गुना अधिक ऐसे मामले हैं जो पुलिस में दर्ज होते ही नहीं, क्योंकि जो ठगे जाते हैं उन्हें तो यह भी नहीं पता कि, किस प्रकार से ठगी के दुश्चक्र से बाहर निकलना है।

ठगने के इस धंधे में केवल निजी लोग ही लगे हों, ऐसा नहीं है। सरकार भी जनता को ठगने में पीछे नहीं है। यह कहना गलत नहीं होगा कि जनता सत्ता के हाथों ही सबसे अधिक ठगी जा रही है। जब चुनाव के दौरान राजनीतिक दल प्रचार करते हैं तो विभिन्न प्रकार के लुभावने नारे लगाते हैं किंतु वास्तविकता तब पता चलती है जब मतदाता उसे जिता देता है। वे उसका शोषण, पहले से भी अधिक करने के उपक्रम में लग जाते हैं।

प्रत्येक क्षेत्र, जिससे सामान्य जन का वास्ता पड़ता है, वहां लगभग प्रतिदिन वह ठगा जा रहा है। उसे शायद नहीं पता कि जो वायु, सांस के रूप में प्रतिक्षण लेता है उससे कितने हानिकारक तत्व उसके शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। यह उसे तभी पता लगता है जब वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो जाय। यह सब उस विभाग की मिलीभगत के कारण जिसे प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल में जाएं तो वहां डॉक्टरी जैसे पवित्र व्यवसाय करने वाले भी मरीज को ठगने के लिए तैयार रहते हैं। इसके लिए वह चाहे अनावश्यक जांचें करवाएं अथवा महंगी दवाइयां लिखें, क्योंकि इन दोनों से ही उसे अपने हिस्से की राशि तो कमीशन के रूप में प्राप्त होनी ही है।

हाल ही में जब नकली दवाइयां का जखीरा पकड़ा गया तो जिस निर्माता का नाम उन दवाइयां के पैकेजिंग पर लिखा गया था, उसने तो यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया कि ये दवाइयां उसके द्वारा बनाई ही नहीं गई है। अब उस आम व्यक्ति का क्या होगा, जिसने यह दवाइयां किसी अच्छी प्रतिष्ठित कंपनी की समझ कर खरीद लीं। आज तक किसी दवा विक्रेता या स्टॉकिस्ट को नकली दवाएं बेचने के आरोप में सजा हुई हो, ऐसा पढ़ने और देखने में नहीं आया है। इसका कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि नकली दवाएं लेने के कारण और गलत जांच होने के कारण कितने लोग न केवल आर्थिक रूप से अपितु शारीरिक रूप से भी कष्ट से गुजरने को मजबूर हुए हैं।

आजकल, सरकारी नौकरी के लिए चयन करने वाली संस्थाएं, जैसे लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग भी बेरोजगार लोगों को ठगने में पीछे नहीं हैं। करोड़ों रुपए की फीस वसूल करने के बाद भी वे यह सुनिश्चित नहीं कर पाते कि पूरी ईमानदारी के साथ भर्ती परीक्षा आयोजित हो जाए और योग्यतम अभ्यर्थी चयनित होकर सरकारी नौकरी में आए। एक यही काम संस्थाओं को सोपा गया था और वह भी यह नहीं कर पाए हैं या जानबूझकर ऐसा काम कर रहे हैं, ताकि वे बेरोजगारों को ठग कर, लाखों करोड़ों रुपए कमा सकें।

सही बात तो यह है कि हम में से प्रत्येक, प्रतिदिन किसी न किसी प्रकार की ठगी का शिकार हो रहा है, कभी जाने में, कभी अनजाने में। इससे उबरने का कोई रास्ता फिलहाल तो नजर नहीं आ रहा है। देखना है, क्या कोई सरकार या नागरिक संगठन, इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई करके, देश के नागरिकों को ठगी का शिकार होने से बचाने में सफल हो पाता है या नहीं?

सरकार प्रत्येक वाहन पर, खरीदने के समय ही, रोड टैक्स वसूल कर लेती है, किंतु उसके बाद टोल टैक्स के नाम से बहुत बड़ी राशि अनिश्चित काल तक वसूल करती रहती है। यह देखा गया है कि सड़क बनाने में लगी राशि पूरी वसूल करने के बाद भी टोल टैक्स की वसूली लगातार चलती रहती है। यह एक प्रकार की सरकारी ठगी ही तो है।आधुनिक प्रकार की ठगी में तो ठगे जाने वाला समझ भी नहीं पाता कि उसे ठगा गया है। कई बार ठगने की कार्रवाई को कानूनी जामा तक सरकार द्वारा पहना दिया जाता है।

वकीलों का काम अपने मुवक्किलों को न्यायालय के माध्यम से जल्द से जल्द न्याय दिलाने का होता है। किंतु वे लंबे समय पर केवल तारीख लेने का ही काम करते हैं। लगभग आधे प्रकरणों में सरकार एक पक्षकार होती है। सरकारी वकील, सरकार के पक्ष में अपनी योग्यता का उपयोग करने के बजाय विपक्षी-निजी पक्षकार के हित में काम करने लगते हैं। इसी कारण सरकार अधिकतर प्रकरणों में हार जाती है।

खाद्य सामग्री बेचने वाले या फल बेचने वाले अनेक प्रकार के रसायनों का उपयोग करते हैं ताकि फल एवं सब्जी अधिक आकर्षक लगें या फिर समय से पहले उन्हें पका लिया जाय। दोनों ही मामलों में, कुल मिलाकर इस ठग प्रवृत्ति का शिकार तो आम नागरिक को ही होना पड़ता है। यह सब केवल इसलिए है कि आम नागरिक को मूर्ख बनाकर उसे ठगा जाए और नागरिक यह समझ ही नहीं पाए कि उसे किस प्रकार से ठगा जा रहा है।

वर्तमान में, पूरे देश में जो व्यापार सबसे अधिक फल फूल रहा है वह है ठगने का। बिल्डर आपको फ़्लैट बेचते समय यह कहेगा कि इतना सुपर बिल्ट अप एरिया और कारपेट एरिया है, किंतु जब आप फ्लैट का कब्जा लेने जाएंगे तो स्थिति बिल्कुल अलग मिलती है। आवासीय भवन के नाम पर आपको फ्लैट बेचे जाएंगे, लेकिन इस भवन में कई प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी बिल्डर पैसे लेकर कुछ क्षेत्र बेच देते हैं। इसके कारण आवासियों को कई प्रकार की असुविधा झेलनी पड़ती हैं।

ठगे जाने का सिलसिला लगभग सभी विभागों एवं सभी क्षेत्रों में पूरी तरह व्याप्त हो चुका है।

खिलाड़ी चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, जब तक वह खेल संघ के पदाधिकारी की चापलूसी नहीं कर सके अथवा उनके गलत इरादों में उनका सहयोग देने के लिए तैयार ना हो जाए तो फिर उसका राष्ट्रीय टीम में चयन होना लगभग असंभव है।क्या इस प्रकार के चयन के परिणाम स्वरूप, जो प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने देश के लिए खेलने से वंचित रह गए, वे अपने आप को ठगा महसूस नहीं करेंगे? जब भी किसी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई, उसे किसी न किसी प्रकार से दबाया गया है, ताकि अन्य लोग भी इस प्रकार की ठगी को चुपचाप सहन करते रहें और उसके विरुद्ध कोई आवाज उठाने का साहस तक न करें।

कहा जाता है, ठग ही जाने, ठग की भाषा। लगता है ठगने की प्रतिस्पर्धा हो रही है कि के ठगने की कला में कौन कितना सिद्ध है? जो जितना पारंगत है उतना ही वह दूसरे को ठगने में लगा हुआ है। ठगने में पाखंडी बाबाओ की कोई कमी नहीं है। ये विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों का शर्तिया इलाज करने का दावा करते हैं और भोली जनता उनके मार्केटिंग के जाल में फंस कर ठगी का शिकार हो जाती है। कई बार तो ये ठग, महिलाओं का यौन शोषण करने से भी नहीं चूकते। हमारे एक निकट परिचित ने अभी हाल ही में एक बड़ी धनराशि किसी तथा कथित आयुर्वेद विशेषज्ञ के हवाले कर दी, जबकि उन्होंने किसी प्रकार की न तो कोई रसीद दी एवं न उन्होंने यह बताया कि वह किस प्रकार की दवाएं उनको दे रहे हैं। जब उनसे इस बारे में प्रश्न किया गया तो उन्होंने यहां तक कहा कि वह भगवान हैं और भगवान से कोई प्रश्न नहीं किया जा सकता। ऐसे व्यक्ति, अंध भक्ति के कारण खूब फल फूल रहे हैं। स्पष्ट है, ठगने के व्यापार में सभी लोग एक-दूसरे के सहायक की भूमिका निभा रहे हैं। सरकार की कोप दृष्टि इन पर कभी नहीं पड़ती क्योंकि यह सरकार के अधिकारियों की मिलीभगत से ही ऐसा करने में सफल होते हैं।

मैंने बहुत विचार किया कि कोई तो ऐसा क्षेत्र होगा जहां लोग ठगी से बचे हुए हैं, किंतु ऐसा कोई क्षेत्र दिखाई नहीं देता।

सरकार की लगभग सारी योजनाएं कुछ लोगों के द्वारा ठगी करने के कारण दलालों की बलि चढ़ गई है। हाल ही में समाचार पत्रों में यह प्रकाशित हुआ है कि कैसे अनेक वृद्ध व्यक्तियों को मिल रही पेंशन उन्हें मृत घोषित करते हुए बंद कर दी गई, जब कि वे जीवित हैं। इसी प्रकार हजारों लोगों को राज्य से पलायन करना बता कर उनकी पेंशन बंद कर दी गई। मीडिया में ऐसे पीड़ित लोगों के नाम, फोटो के साथ प्रकाशित हुए हैं। इसके बावजूद ऐसा लगता नहीं है कि, जिस अधिकारी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई, उसके विरुद्ध कार्रवाई करके उसे नौकरी से निकाल दिया जाएगा। जवाबदेही की कमी के कारण ही ठगने का कारोबार तेजी से बढ़ रह रहा है।

सही बात तो यह है कि हम में से प्रत्येक, प्रतिदिन किसी न किसी प्रकार की ठगी का शिकार हो रहा है, कभी जाने में, कभी अनजाने में। इससे उबरने का कोई रास्ता फिलहाल तो नजर नहीं आ रहा है। देखना है, क्या कोई सरकार या नागरिक संगठन, इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई करके, देश के नागरिकों को ठगी का शिकार होने से बचाने में सफल हो पाता है या नहीं? अभी तो जिन नियामक संस्थाओं के ऊपर ठगी से बचाने की जिम्मेदारी है, वही इसे बढ़ाने में लगी हुई प्रतीत होती हैं जैसे सेबी, बीमा नियामक अधिकरण, आदि आदि।

आइए, हम सब मिलकर देश को इस ठग संस्कृति से बाहर निकालने में एकजुट होकर प्रयास करें ताकि देश वासियों की गाढ़ी कमाई का पैसा बर्बाद होने से बचाया जा सके। यदि ऐसा हो सका तो हमें यह नहीं कहना पड़ेगा "यह देश है ठगने वालों का........"

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

प्रजातांत्रिक प्रधान : कुछ बातें जो भूलनी नहीं चाहिए

डॉ. रामावतार शर्मा

यदि इतिहास के उस दौर पर एक नजर डाली जाए जब अमेरिका में गृहयुद्ध हुआ, क्रांति हुई और वहां के सेनापति जॉर्ज वाशिंगटन नव उदित देश के पहले राष्ट्रपति बने, उस समय जॉर्ज वाशिंगटन एक अति प्रिय और बड़े ताकतवर नेता थे परंतु देश में प्रजातंत्र स्थापित होते ही उन्होंने अमेरिका की सेना के कमांडर इन चीफ के पद से त्यागपत्र दे दिया। उस काल के हिसाब से वे राष्ट्रपति एवं सेना प्रमुख दोनों पदों पर बने रह सकते थे परंतु फिर भी उन्होंने एक अति प्रभावशाली पद का त्याग किया जिसे देख कर उनके प्रबल विरोधी किंग जॉर्ज तृतीय ने कहा था कि वाशिंगटन ने ऐसा करके बता दिया है कि वह इस समय के महानतम व्यक्ति हैं। अपने राष्ट्रपति काल के दूसरे दौर में वाशिंगटन ने इस पद से भी त्यागपत्र दे दिया ताकि कोई व्यक्ति दो बार से अधिक अमेरिका का राष्ट्रपति नहीं बन सके, तानाशाह न बन पाए और जनता का मत ही सर्वोपरि रहे। त्यागपत्र के बारे में उनका कहना था कि यदि पद पर बने रहने के दौरान उनकी मृत्यु हो जाती है तो भविष्य में कोई अति प्रभावशाली व्यक्ति अपने आप को जीवनपर्यंत के लिए राष्ट्रपति घोषित कर सकता है। वाशिंगटन के ऐसा करने के बाद ही अमेरिका में एक व्यक्ति के लिए राष्ट्रपति पद को दो बार के लिए सीमित किया गया। वाशिंगटन बहुत ही लोकप्रिय कमांडर इन चीफ और राष्ट्रपति थे और उस समय चाहते तो आसानी से अपने आप को जीवनपर्यंत के लिए राष्ट्रपति घोषित कर सकते थे परंतु उन्होंने स्वेच्छा से पद त्याग कर जनता को सर्वोच्च रखा और अपने परिवार से कहा ;आओ, अब घर चलते हैं। ;

जॉर्ज वाशिंगटन के बाद 44 और लोग अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर आए और उन्हीं की प्रेरणा के फलस्वरूप सब ने अपने चार या आठ साल के कार्यकाल के बाद सत्ता वापिस जनता के हाथों में संभला दी, सिर्फ एक व्यक्ति के कुत्सित प्रयास को छोड़ कर और उस व्यक्ति का नाम डोनाल्ड ट्रंप है। ट्रंप अपने पिछले लोकतंत्र विरोधी प्रयास में असफल होने के बाद फिर से सत्ता को अपने हाथ में लेने को उत्सुक है परन्तु इस बार यह प्रयास जनता के हाथ से प्राप्त करने का प्रयत्न है। देखा जाता है कि हर प्रजातांत्रिक देश में जनता का एक अच्छा खासा वर्ग तानाशाही या राजतंत्र का पक्षधर होता है। चूंकि अधिकतर घरों में एक तरह का पिता केंद्रित निरंकुश तंत्र कार्य करता है तो जनता का एक बड़ा वर्ग इसी तरह की व्यवस्था देश या राज्य में चाहता है। एक राजनीतिक पार्टी या व्यक्ति के पक्ष में चलने वाली लहर इसी मानसिक सोच की तरफ इशारा करती है। लोकप्रियता वाले नारे, नस्ल या धर्म आधारित राजनीति, बदले की राजनीति और भय का निर्माण आदि किसी भी समाज में प्रजातंत्र को नष्ट करने के सर्व चलित हथियार हैं जिनका चालाक नेता लोग जम कर उपयोग करते हैं। जॉन केली डोनाल्ड ट्रंप के द्वितीय चीफ ऑफ स्टाफ रहे हैं। केली के अनुसार ट्रंप इस बात से पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं कि अमेरिका के सामान्य नागरिक की दृष्टि में अमेरिका क्या मायने रखती है, उसकी नजर में अमेरिका कैसा होना चाहिए। ट्रंप का एकमात्र उद्देश्य सत्ता पर कब्जा कर गोरे लोगों का प्रभुत्व कायम करना और सत्ता पर अपनी निरंकुशता बनाना है। देखा गया है कि जो भी लोग सत्ता प्राप्त करने के लिए पागल बने होते हैं वे प्रजातंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा होते हैं। उन लोगों के पद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, चांसलर, प्रिय नेता आदि कुछ भी हो सकते हैं, वे जनता द्वारा चुने हुए भी हो सकते हैं परंतु सत्ता को अपनी पकड में रखने का उनका स्वभाव पूरे विश्व में एक जैसा होता है और वे सभी राष्ट्रीय स्वाभिमान, धार्मिक तथा सांस्कृतिक सर्वोच्चता, नस्लवाद और किसी संभावित खतरे जैसे हथियारों का उपयोग कर सदैव के लिए सत्ता अपने पास रखने में प्रयत्नशील रहते हैं। ये लोग किसी भी स्थिति में जॉर्ज वाशिंगटन की तरह नहीं कहेंगे कि मैने मेरा सर्वोत्तम मेरे देश के लिए दे दिया है और अब समय आ गया कि वापिस घर चला जाए।

कोई भी शासक कितना ही बुद्धिमान हो परंतु वह आठ या दस वर्ष के बाद सिर्फ एक ढर्रे पर चलने लगता है। सत्ता के शिखर का अकेलापन उसमें नए विचार, नए दर्शन को विकसित नहीं होने देता है। एक परोक्ष एवं आंतरिक सत्ता संघर्ष उसकी ऊर्जा को सत्ता में बने रहने के प्रयत्नों में नष्ट करने लगता है जो उसकी सोच में नयापन नहीं आने देता। सत्ता के शिखर पर, इसलिए, किसी भी व्यक्ति को दस वर्ष के बाद नहीं बने रहना चाहिए। एक पार्टी भले ही कई साल सत्ता में बनी रहे पर उसके नेतृत्व में परिवर्तन देश और स्वयं उस पार्टी के लिए शायद एक बेहतर विकल्प होता है। जिस भी राजनीतिक ढांचे में एक ही व्यक्ति, परिवार या परंपरा का वर्चस्व बना रहता है वह ढांचा एक समय के बाद कमजोर हो कर बिखर जाता है। परंतु सत्ता का मोह ऐसा होता है कि एक व्यक्ति तो सत्ता से चिपका रहना ही चाहता है, पार्टी में भी विकल्प ढूंढने की हिम्मत नहीं होती है। भय और सत्ता प्रेम से उपजी यह मानसिकता देश में नवीनता नहीं लाने देती है और इसी के कारण हर अति प्रभावशाली देश और साम्राज्य एक समय के बाद बिखर जाता है। रोमन तथा ओटोमन साम्राज्य इसी मानसिकता के शिकार हुए थे और आज अमेरिका का घटता वैश्विक प्रभाव भी उसके आने वाले ह्रास को इंगित कर रहा है क्योंकि वहां अब अधिकतर नेता वयोवृद्ध उम्र के होने लगे हैं। दुनिया से प्रजातांत्रिक देशों के नागरिकों को भी अपने सोच में नवीनता लानी पड़ेगी वरना हर प्रजातंत्र एक भ्रष्ट तंत्र का रूप ले लेगा और परोक्ष निरंकुशता कितने ही नागरिकों से उनके जीने का अधिकार छीन लेगी। इस स्थिति का एक अन्य खतरनाक पहलू समाजों का विघटन भी है जहां छोटी मानसिकता के लोग सोशल मीडिया द्वारा जाति आधारित द्वेष फैलाने में सफल हो जाएंगे क्योंकि उनकी नजर में राजनीतिक और सामाजिक ऊंचाइयों पर चढ़ने के लिए यह सबसे आसान मार्ग है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

प्रदेश के अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा बाड़मेर मॉडल : मंत्री के.के.बिश्नोई

बाड़मेर, (निसं)। जन कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी दिव्यांगजन वंचित नहीं रहें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिव्यांगजनों के लिए कई योजनाएं लागू की है। बाड़मेर जिला प्रशासन से उसी दिशा में पहल करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं की धरातल पर क्रियान्विति का सराहनीय कार्य किया है। इसकी बदौलत दीपावली से पहले दिव्यांगजनों को खुशियों की सौगात मिली है। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई ने सोमवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आदर्श स्टेडियम में आयोजित दिव्यांग सहायक अंग उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

■ वेब पोर्टल की शुरूआत होने से दिव्यांग अपने घर से आनलाइन सुविधाओं का फायदा ले सकेंगे।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के.विश्नोई ने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सशक्त करने की दिशा में राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की गई है। इनका लाभ राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजन तक पहुंच सके, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बाडमेर जिला प्रशासन की अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में बाडमेर मॉडल को लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विशेष योग्यजनों को आत्म-सम्मान के साथ जीवन सशक्त करने तथा राज्य की प्रगति में योगदान करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेब पोर्टल की शुरूआत होने से दिव्यांग अपने घर से आनलाइन सुविधाओं का फायदा ले सकेंगे। उन्होंने एक ही स्थान पर समुचित जानकारी मिल सकेगी। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई, शिव विधायक रविन्द्रसिंह भाटी, जिला कलैक्टर टीना डाबी, सभापति दिलीप माली, प्रधान रूपाराम सारण, समाजसेवी दीपक क?वासरा, रमेश शर्मा, प्रतिपक्ष नेता पृथ्वी चंडक, लक्ष्मण वडेरा, भामाशाह एवं उद्यमी किशोरसिंह कानोड, रमेशसिंह इंदा, राजूदास भील ने दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिलें एवं सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान जिला कलैक्टर टीना डाबी ने कहा कि अक्टूबर माह में बाडमेर जिला प्रशासन ने उपखंड स्तर पर दिव्यांगजन शिविरों के आयोजन करने के साथ उनको जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को किसी तरह की असुविधा नहीं हो, इसके लिए जिला स्तर से मेडिकल बोर्ड का गठन करते हुए उनको दिव्यांगजन शिविर में भेजा गया। इससे दिव्यांगजनों को खासी सहुलियत हुई। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान 7 हजार व्यक्तियों का पंजीयन करते हुए 2031 पात्र दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र अनुमोदित किए गए। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों का दिव्यांग फ्रेंडली होने संबंधित ऑडिट करवाया गया है। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने कहा कि बाडमेर मॉडल को राज्य सरकार पूरे प्रदेश में लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में द्वितीय चरण के दौरान दिव्यांगजनों को बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराने का प्रयास किया जाएगा। नगर परिषद सभापति दिलीप माली ने कहा कि दिव्यांगजन का आत्मबल बढ़ाने एवं उनको समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। समाजसेवी रमेश शर्मा ने कहा कि आमजन दिव्यांगजन की हरसंभव मदद करने के लिए आगे आएं। उन्होंने दिव्यांगजनों को हिम्मत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम कां संचालन प्रोफेसर डॉ. मुकेश पचौरी ने किया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवणसिंह राजावत, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्रप्रतापसिंह भाटी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मूरलीधर यादव, कृष्णसिंह राणीगांव, भगवान बारूपाल, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अनंत आर्य, विकास अधिकारी औंकारदान समेत विभिन्न जन प्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण : आदर्श स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 112 ट्राई साइकिल, 47 व्हीलचेयर, 34 श्रवण यंत्र, 138 वैशाखी एवं 27 ब्लाइंट स्टीक वितरित की गई।

दिव्यांगों के लिए विशेष पोर्टल लॉच : कार्यक्रम में बाडमेर जिला प्रशासन की ओर से दिव्यांगजनों को समुचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए वेब पोर्टल को लॉच किया गया। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बताया कि इस वेब पोर्टल से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर सुगम और सुलभ जानकारी उपलब्ध मिल सकेगी। इस पोर्टल पर केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, जियो टैगिंग के साथ सार्वजनिक स्थानों की सूची, विशेष रूप से उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं, दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं कानून के साथ उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में नवो बाडमेर समन्वित प्रयास सशक्त समाज अभियान के दौरान बेहतरीन कार्य करने पर सेडवा उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण विश्नोई, चौहटन तहसीलदार कृष्णा इंकिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्र प्रतापसिंह भाटी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी दिलीपसिंह, महेन्द्रसिंह,डा.कंवराराम, डॉ.महेन्द्रसिंह, डॉ.मोहित कुमार, डॉ.भगवानसिंह ,डॉ.भानुप्रतापसिंह को सम्मानित किया गया। वही ट्राइसाइकिल वितरण करने के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई, जिला कलक्टर टीना डाबी एवं अन्य अतिथियों ने दिव्यांगजनों का माल्यार्पण किया। इस दौरान कई दिव्यांगजनों की आंखों में खुशी के आंसू झलक पडे। शिविर में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे दिव्यांगजनों ने बताया कि यह पहला मौका है जब उनका आसानी से दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी हुआ।

बीमा कंपनी को नौ फीसदी ब्याज दर से मुआवजा अदा करने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ. नूपुर भाटी ने अपने विस्तृत फैसले में यह प्रतिपादित किया है कि अधिकरण के समक्ष लिखित जवाब के विपरीत जाकर बीमा कंपनी नया तर्क पेश कर मृतक कार चालक की दुर्घटना में लापरवाही नहीं बता सकती। उन्होंने मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण जोधपुर महानगर द्वारा मुआवजे पर ब्याज दर को 6 फीसदी से बढाकर 9 फीसदी ब्याज दर से भुगतान करने का बीमा कंपनी को निर्देश दिया है।

■ वाहन दुर्घटना में कार में सवार चार व्यक्तियों की मौत हुई थी

दरअसल 8 सितम्बर 2014 को हुई वाहन दुर्घटना में कार में सवार चारों व्यक्तियों की मौत हो गई। ट्रक ट्रोला चालक की लापरवाही से हुई टक्कर से मौत की आगोश में समा गए तीन मृतक के दावेदार की ओर से अधिवक्ता अनिल भंडारी ने हाइकोर्ट के समक्ष बहस करते कहा कि अधिकरण ने प्रथम सूचना रपट,चार्जशीट आदि दस्तावेज से सही निष्कर्ष निकाला कि दुर्घटना ट्रक ट्रोला चालक की गलती से हुई है।सो न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी मुआवजे के वास्ते 6 फीसदी ब्याज सहित जवाबदेह है।

अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि वर्तमान ब्याज दर को देखते हुए 9 फीसदी ब्याज दिलाया जाएं। इस पर बीमा कंपनी की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर नक्शा मौका पेश कर कहा गया कि कार चालक ने गलत दिशा में आकर सामने से आ रहे ट्रक को टक्कर मारकर दुर्घटना कारीत की है। इसलिए अपील मंजूर कर दावा खारिज किया जाएं। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ नूपुर भाटी ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अधिकरण के समक्ष बीमा कंपनी ने यह जवाब दिया कि कोहरे के कारण खड़े ट्रक ट्रोला को कार चालक ने पीछे से आकर टक्कर मारी,लेकिन हाइकोर्ट के समक्ष पेश अपील और बहस में इससे बिलकुल ही विपरीत जाकर यह तर्क कतई माने जाने योग्य नहीं है कि कार चालक ने गलत दिशा में जाकर सामने से आ रहे ट्रक ट्रोला को टक्कर मारी हो।उन्होंने कहा कि बीमा कंपनी अपने जवाब से बाधित है और उन्हें अब विरोधाभाषी तर्क की अनुमति नहीं दी सकती है। उन्होंने कहा कि दावेदारों ने प्रथम सूचना रपट और चार्जशीट से यह साबित किया है कि दुर्घटना ट्रक चालक की लापरवाही और गलती से हुई है,जबकि बीमा कंपनी ने अधिकरण के समक्ष न तो कोई गवाह पेश किया और न ही ट्रक ट्रोला चालक और मालिक को अधिकरण के समक्ष प्रतिपरीक्षण के वास्ते बुलाने का कोई प्रयास किया।उन्होंने कहा कि नक्शा मौका वैसे भी दुर्घटना के 27 घंटे बाद बना है। उन्होंने बीमा कंपनी का अपील के दौरान नक्शा मौका और फोटो को रिकॉर्ड पर लेने के आवेदन को खारिज कर दिया कि उसमें कोई समुचित कारण नहीं बताया गया है। उन्होंने एक दावेदार की ओर से मृतक के आयकर रिटर्न आकलन वर्ष 2012 -13 को मोटर वाहन अधिनियम कल्याणकारी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए रिकॉर्ड पर लेते हुए अधिकरण द्वारा न्यूनतम मजदूरी के हिसाब से तय मुआवजे को वास्तविक आय के अनुरूप मुआवजा राशि निर्धारित की।

राशिफल मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 3:24 तक, ऐन्द्रयन योग प्रातः 7:48 तक, तैतिल करण दिन 10:32 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 10:32 तक है। आज बुध वृश्चिक में रात्रि 10:39 पर प्रवेश करेगा। आज भौम प्रदोष व्रत, धन तेरस, धन त्रयोदशी निमित्त सायं यम दीपदान, धनवंतरी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:25 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 1:34 तक, शुभ 2:57 से 4:20 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:39, सूर्यास्त 5:43

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में शुभ और मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। अतिथियों का आगमन रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 99 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

क्या आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास को एक और एक्सटैंशन मिलेगा

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पत्रिका ग्लोबल फाइनैंस द्वारा भारतीय मॉनिटरी पॉलिसी के लिए शक्तिकांत दास को ''ए प्लस'' रेटिंग दिए जाने से उनका दावा और मजबूत हुआ है

- दिसम्बर 2018 में तत्कालीन आर.बी.आई. गवर्नर उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफा देने के बाद, पूर्व वित्त सचिव शक्तिकांत दास को तीन साल के लिए आर.बी.आई. गवर्नर बनाया गया था, सरकार के साथ उनका कार्यकाल एकदम निर्विवादित रहा, इसलिए उन्हें 2021 में 3 साल का एक्सटैंशन दिया गया और इसी आधार पर एक और एक्सटैंशन मिलने की संभावना है।
- उनसे पहले जो दो गवर्नर थे, उर्जित पटेल और रघुराम राजन, उनके सरकार के साथ संबंध विवादों से भरे रहे थे।
- इसी बीच सरकार को तीन और महत्वपूर्ण नियुक्तियां करनी हैं। इनमें से एक है सी.ए.जी., जी.एस. मुर्मू, जिनका कार्यकाल नवम्बर में खत्म हो रहा है। उन्हें एक्सटैंशन नहीं मिल सकता, क्योंकि उनकी नियुक्ति की शर्तों में साफ लिखा है कि रिटायर होने के बाद वे ना एक्सटैंशन ले सकते हैं ना ही कोई नया पद।
- मुख्य आर्थिक सलाहकार वी.अनंता और सेबी चीफ माधवी पुरी बुच का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है पर उन्हें दोबारा मौका मिल सकता है। हालांकि, सेबी चीफ के मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्ष, खासकर कांग्रेस आमने-सामने है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। क्या रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) के गवर्नर को दिसम्बर में तीन वर्षों का तीसरा कार्यकाल मिलेगा? गैर विवादस्पद गवर्नर शक्तिकांत दास के पास वित्तीय क्षेत्र को बेहतरीन तरीके से संभालने तथा केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंधों के कारण शीर्ष पद पर बने रहने की सभी योग्यताएं हैं।

दास के बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड को ''ग्लोबल फाइनैंस'' पत्रिका के, 2024 सैंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड ने लगातार दूसरे वर्ष मान्यता दी है। आर.बी.आई. गवर्नर को, जटिल आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की मॉनिटरी पॉलिसी (मौद्रिक नीति) कुशलतापूर्वक संभालने के लिए रिपोर्ट कार्ड में ''ए प्लस'' रेटिंग दी गई है। यह पुरस्कार वॉशिंगटन डी.सी. में, मुख्य जिम्मेदारियों के आधार पर लगभग 100 केन्द्रीय बैंक गवर्नरों के ग्लोबल असैसमैंट (वैश्विक मूल्यांकन) के आधार पर दिया गया है।

पूर्व वित्त सचिव शक्तिकांत दास को, उर्जित पटेल के सरकार के साथ तनाव के बीच दिए गए अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद, दिसम्बर 2018 में तीन साल का पहला कार्यकाल मिला था। फिर तीन साल पहले उनको एक्स्टैंशन दिया गया था। केन्द्र सरकार के साथ उनके मजबूत व स्थिर संबंधों के कारण उनको एक और एक्सटैंशन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। उनके पूर्ववर्ती, दो आर.बी.आई. गवर्नरों, उर्जित पटेल व रघुराम राजन के वित्त मंत्रालय के साथ संबंध अच्छे नहीं थे।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दास के साथ-साथ शीघ्र ही तीन और प्रमुख नियुक्तियाँ करनी होंगी। आने वाले महीनों में, केन्द्रीय सरकार को जी.एस. मुर्मू का उत्तराधिकारी नियुक्त करना होगा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी और सेबी चीफ प्र.मंत्री को ब्लैकमेल कर रहे हैं'

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। सोमवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अडानी और सेबी चीफ माधवी पुरी बुच मोदी सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं कि यदि उनपर या उनका सहयोग कर रहे किसी भी व्यक्ति पर हमला हुआ तो सरकार को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

राहुल गांधी ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर 4 मिनट 39 सेकेंड का एक वीडियो क्लिप (टीजर) पोस्ट किया। राहुल ने कहा, संस्थागत पतन ने अब भाई-भतीजावाद के अधिक खतरनाक स्वरूप अडानी

- राहुल गांधी ने यह भी कहा कि बुच अडानी के हितों की रक्षा के लिए सिस्टम में हेर-फेर कर रही है और केन्द्र सरकार चुप है।

बचाओ सिंडिकेट को जन्म दिया है। मौजूदा सरकार अब केवल एकाधिकार को बढ़ावा नहीं दे रही है, बल्कि सक्रिय रूप से देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केन्द्रित कर रही है।

उन्होंने कहा कि माधबी बुच कांड जितना सोचा गया था, उससे कहीं अधिक गहरा है। हो सकता है कि खुदरा निवेशकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही बुच अडानी के हितों की रक्षा के लिए सिस्टम में हेरफेर कर रही हों।

'एक प्रदेश में कितने सांसद हों, यह जनगणना के आकड़े निर्धारित करेंगे?

ऐसे मुद्दों पर निर्णय के लिये सरकार एक सर्वदलीय बैठक आयोजित करे

- एक और मुद्दा कांग्रेस बार-बार उठा रही है, कि क्या जनगणना में जातिगत सर्वे ही होगा। इस प्रश्न पर भी कांग्रेस सर्वदलीय बैठक में निर्णय कराना चाहती है।
- सैन्सस कमिश्नर का कार्यकाल बढ़ाने की घोषणा के बाद, यह चर्चा जोरों पर है कि शीघ्र ही सरकार सैन्सस (जनगणना) करायेगी।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। कांग्रेस ने आज बहु-प्रतीक्षित जनगणना को लेकर मोदी सरकार पर प्रश्नों की बौछार की। कांग्रेस ने माँग की कि सरकार जनगणना से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट करने के लिए सर्वदलीय मीटिंग बुलायें।

कांग्रेस की यह माँग उन मीडिया-रिपोर्टों के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया था कि सरकार द्वारा जनगणना अगले वर्ष कराये जाने के सम्भावना है।

कांग्रेस महासचिव तथा मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''रजिस्ट्रार जनरल तथा जनगणना आयुक्त के कार्यकाल में वृद्धि की अधिसूचना अभी-अभी जारी हुई है। इसका अर्थ यह निकलता है कि अति-विलम्बित जनगणना, जो 2021 में होनी थी, आखिरकार शीघ्र ही कराई जायेगी। लेकिन दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्थिति अभी भी कतई स्पष्ट नहीं है।''

रमेश ने पूछा है कि क्या ''नई जनगणना'' में अनुसूचित जातियों (एस.सी.) तथा अनुसूचित जनजातियों (एस.टी.) की गणना, जो 1951 से बाद से प्रत्येक जनगणना में की जाती रही है, के अतिरिक्त देश की सभी जातियों की विस्तृत गणना शामिल होगी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार, इस प्रकार की जातिगत जनगणना कराना संघीय सरकार का अनन्य दायित्व है।

उन्होंने पूछा, ''क्या इस जनगणना का उपयोग लोकसभा में प्रत्येक राज्य की संदस्य संख्या के निर्धारण के लिये किया जायेगा, जैसा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद में जरूरी बताया गया है (यह अनुच्छेद कहता है कि 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना तथा इसके परिणामों का प्रकाशन ऐसे किसी भी पुनर्गठन का आधार होगा ? क्या इस कार्य से उन राज्यों को नुकसान होगा, जो परिवार-नियोजन के मामले में आगे रहे हैं?'' उन्होंने कहा, ''सर्वाधिक उपयुक्त यह रहेगा कि इन दो प्रमुख मुद्दों पर स्पष्ट स्थिति लाने के लिये एक सर्वदलीय मीटिंग जल्दी ही बुलाई जाये।''

भतीजे के खिलाफ भतीजा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नामांकन बंद होने के एक दिन पहले सोमवार को, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा एन.सी.पी. प्रमुख अजित पवार ने अपना नामांकन पत्र बारामती से भर दिया तथा अब वे इस सीट पर अपने भतीजे तथा शरद पवार के पौत्र युगेन्द्र पवार (एन.सी.पी.-एस.पी. उम्मीदवार) का सामना करेंगे।

- शरद पवार के बारामती से अपने भतीजे अजित पवार के सामने उनके ही भतीजे युगेन्द्र पवार को मैदान में उतारा है।

विदित ही है कि अजित, जिन्होंने शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने के लिये पार्टी तोड़ दी थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी शिव सेना उम्मीदवार के रूप में थाने जिले की कोप्री-पचपाखाड़ी सीट से अपना नामांकन भर दिया है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रतिद्वंदी शरद पवार ने सोमवार को कहा कि महविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) महाराष्ट्र में जन-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नड्डा और मैं भाई हैं, क्योंकि, एक ही ''आइलियोलॉजिकल परिवार'' के सदस्य हैं'

आर.एस.एस. के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में आयोजित संघ के कार्यकारी मण्डल की बैठक के बाद प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा

- होसबाले ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि भाजपाध्यक्ष जे.पी. नड्डा व आर.एस.एस. के बीच मतभेद की बात को कपोल कल्पित है, उन्होंने यह भी कहा कि नड्डा की लोकसभा चुनाव के पहले दी गई बहुचर्चित टिप्पणी के बाद, लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद वे नड्डा के घर गये थे तथा भोजन किया था।
- होसबाले ने यह भी कहा कि आर.एस.एस. योगी आदित्यनाथ के नारे का समर्थन करती है कि ''हिन्दू बंटेंगे, तो कटेंगे।''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने हिन्दू एकता के महत्व पर जोर देते हुए, भाजपा के साथ किसी प्रकार मतभेद न होने की फिर से पुष्टि की। वे मथुरा के परखन गाँव में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने अपने वक्तव्य में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के नारे ''बँटेंगे तो कटेंगे'' का समर्थन किया, उन्होंने जोर देते हुए, इस नारे को एकता का आव्हान बताया।

होसबाले ने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ अपने सम्बन्ध का जिक्र करते हुए, उन्हें समान वैचारिक परिवार का अपना भाई बताया।

भाजपा अध्यक्ष के साथ किसी प्रकार की दरार का खंडन करते हुए, होसबाले ने कहा कि चुनाव तथा अन्य मामलों में संघ से पार्टी की स्वतन्त्रता के बारे में आम चुनावों से पहले की भाजपा अध्यक्ष की टिप्पणी के बाद तो उन्होंने नड्डा के निवास पर भोजन किया था। उन्होंने कहा कि उस समय तक लोकसभा चुनाव समाप्त हो गए थे।

मथुरा में संघ के कार्यकारी मंडल (केन्द्रीय कार्यकारी) की मीटिंग के अन्तिम दिन, होसबाले कई मुद्दों पर बोले थे। इनमें ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म के नियमन, न कि नियन्त्रण, की आवश्यकता भी शामिल थी। उन्होंने कहा था कि इसके लिये फिल्म सेंसर बोर्ड जैसी कोई व्यवस्था की जा सकती है।

योगी आदित्यनाथ के ''बँटेंगे तो कटेंगे'' नारे के बारे में पूछे गये एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, होसबाले ने हिन्दू एकता के रेखांकित संदेश तथा जाति, रंग या मतों पर आधारित विभाजन के खतरे विस्तार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका ने वायनाड में मदर टैरेसा से मुलाकात का किस्सा सुनाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। वायनाड में अपने चुनाव प्रचार के पहले दिन प्रियंका गांधी ने मदर टैरेसा के साथ अपनी एक मुलाकात का उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि उनके पिता राजीव गांधी हत्या के कुछ माह बाद मदर टैरेसा उनके घर आई थी। मदर ने प्रियंका

- प्रियंका ने बताया कि उनके पिता की हत्या के कुछ माह बाद मदर टैरेसा उनके घर आईं थीं और उन्हें दीन दुखियों के लिए काम करने की प्रेरणा दी थी।

से कहा था कि वे दीन दुखियारों के लिए काम करें। इसके बाद प्रियंका ने मदर टैरेसा के संगठन में जाकर काम किया।

प्रियंका ने बताया, उस समय मैं 17 साल की थी। मेरे पिता का निधन हुए 6-7 माह ही हुए थे। मुझे बुखार था तो मैं कमरे से बाहर नहीं निकली। फिर वो खुद मेरे कमरे में आई। अपना हाथ मेरे माथे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में बड़ी समानता है ''परिवारवाद''

परिवारवाद को लेकर कांग्रेस की आलोचना करने वाली भाजपा भी इससे अछूती नहीं है

- झारखंड में भाजपा ने अर्जुन मुंडा की पत्नी, चंपई सोरेन के बेटे, रघुवर दास की पुत्रवधु सहित कई नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिए हैं।

-श्रीनन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। महाराष्ट्र एवं झारखंड के आसन्न विधानसभा चुनावों में एक बात समान है, वो है परिवारवाद। सभी राजनैतिक दलों ने इन चुनावों में अच्छी खासी संख्या में राजनैतिक उत्तराधिकारी खड़े किए हैं। भाजपा, जो परिवारवादी राजनीति के खिलाफ अक्सर शोर मचाती रहती है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र चुनाव की खींचतान में कांग्रेस ने भाजपा व मोदी सरकार पर नया आरोप लगाया

कांग्रेस ने कहा, मोदी सरकार महाराष्ट्र के हितों की बलि दे रही है और प्र.मंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में लगने वाले कई उद्योग व सैंटर गुजरात भेज दिए हैं

- कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में जिस टाटा एयरबस सी-295 फैसिलिटी का उद्घाटन किया है वह नागपुर में लगने वाली थी।
- कांग्रेस ने कहा, इससे पहले वेदांत फॉक्सकॉन चिप फैक्टरी, इंटरनैशनल फायनैंशियल सर्विसेज़ सैंटर, डायमंड ट्रेड सैंटर, ड्रग पार्क भी महाराष्ट्र से छीनकर गुजरात भेज दिए गए।
- महाराष्ट्र के महत्व को देखते हुए विधानसभा चुनावों में भारी तनाव है, यहाँ हरेक दल आरोपों की राजनीति कर रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि टाटा एयरबस सी-295 के जिस निर्माण संयंत्र का वडोदरा में उद्घाटन हुआ है वो पहले नागपुर में लगने वाला था और कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर केन्द्र सरकार और महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने महाराष्ट्र के हितों को दरकिनार कर दिया। कांग्रेस महासचिव और मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की जनता प्रधानमंत्री व उनके सहयोगियों को इस धोखे का माकूल जवाब देगी।

प्रधानमंत्री मोदी व स्पेन के प्रधानमंत्री पैड्रो सांचेज़ द्वारा टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड-एयरबस फैसिलिटी का उद्घाटन किया गया, जिसमें सी-295 सैन्य विमान बनाए जाएंगे। इस उद्घाटन के बाद कांग्रेस ने यह आरोप लगाया। टाटा एयरबस फैसिलिट प्राइवेट सैक्टर का पहला संयंत्र है, जहाँ सैन्य विमान एसैम्बल किए जाएंगे।

रमेश ने कहा, आज नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने वडोदरा में टाटा-एयरबस सी-295 एयरक्राफ्ट फैसिलिटी जारी कर उद्घाटन किया। यह वही प्रोजैक्ट है जो नागपुर में लगने वाला था, लेकिन 2022 में विधानसभा चुनाव से पहले उसे गुजरात भेज दिया गया।

रमेश ने कहा, यह एकमात्र घटना नहीं है। नॉन बायोलॉज़िकल प्रधानमंत्री के निर्देश पर केन्द्र सरकार और महायुति सरकार ने साजिश रच के महाराष्ट्र के हितों की तिलांजलि दे दी है।

पूर्व की घटनाओं को उदाहरण देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा इन्टरनैशनल फाइनैंशियल सर्विसेज़ सैंटर भी गुजरात में लगाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मुम्बई में यह सैंटर लगाने के प्रयास शुरु किये थे। बांद्रा कुर्ला परिसर में आई.एफ.एस.सी. के लिए अलग से जमीन रख दी गई थी, पर उस प्रयास को भारी हानि पहुंचाई गई। इससे मुम्बई को दो लाख नौकरियों का नुकसान हुआ।

रमेश ने कहा कि भारत के डायमंड उद्योग को विकसित करने के लिए मुम्बई और सूरत ने कई दशकों से साथ मिलकर काम किया है। सूरत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

924 किलो आतिशबाजी जब्त, दो व्यापारी गिरफ्तार

शिकायतों के आधार पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की

अलवर। एनसीआर क्षेत्र में पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद खैरथल-तिजारा जिले के किशनगढ़बास में खुलेआम पटाखों की बिक्री की जा रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखा व्यापारियों पर शिकंजा कसा। टीम ने दो दुकानों पर छापा मारकर 924 किलो पटाखों की खेप बरामद की और दो व्यापारियों को गिरफ्तार किया।

उपखंड अधिकारी मनीष कुमार जाटव ने बताया कि प्रशासन को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि किशनगढ़बास के वशिष्ठ मार्केट में अवैध पटाखों की बिक्री हो रही है। इस पर पुलिस और प्रशासन ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए एक संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया। एसडीएम मनीष कुमार जाटव, तहसीलदार नरेंद्र भाटिया, थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह शेखावत और एएसआई ज्ञानचंद की टीम ने रविवार को अभियान चलाया,

किशनगढ़बास में खुलेआम पटाखों की बिक्री पर पुलिस ने दबिश दी।

जिससे व्यापारियों को आतिशबाजी छिपाने का मौका नहीं मिला।

छापेमारी के दौरान, पुलिस ने किशनगढ़बास निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू और बम्बोरा गांव के निवासी मनोज धीवर को गिरफ्तार किया। जितेंद्र के कब्जे से 32 किलो 200 ग्राम और मनोज धीवर के पास से 892 किलो पटाखे बरामद किए गए। किशनगढ़बास के वशिष्ठ मार्केट में बने इन गोदामों में भारी मात्रा में पटाखे रखे गए थे, जो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा थे। अधिकारियों का मानना है कि यह खेप दीवाली के त्योहार पर बेचने के उद्देश्य से जमा की गई थी।

थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह कार्रवाई रविवार दोपहर 3 बजे से देर रात 9 बजे तक चली। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन अब इलाके में अवैध पटाखा व्यापार की रोकथाम के लिए लगातार निगरानी रखेंगे। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के पटाखा व्यापारियों में हडकंप मच गया है। प्रशासन की इस कड़ी कार्रवाई ने न केवल स्थानीय नागरिकों को राहत दी है, बल्कि अवैध व्यापार में लिप्त अन्य लोगों के लिए भी यह एक सख्त चेतावनी है कि कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निगम में कार्यरत जेएलओ राधिका बंसल राज्य में टॉपर

बीकानेर। राजस्थान ज्यूडिशियल सर्विस (आरजेएस)- 2024 भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी हो गया है। जिसमें कुल 222 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। टॉप 10 में से 9 स्थान पर लड़कियों ने बाजी मारी है। बीकानेर संभाग की राधिका बंसल ने जनरल कैटेगरी में राज्य में टॉप किया है। राधिका वर्तमान में बीकानेर नगर निगम कार्यालय में कनिष्ठ विधि अधिकारी (जेएलओ) के पद पर कार्यरत हैं। राधिका ने 300 नंबरों के पेपर में 188 अंक हासिल कर नंबर वन रैंक प्राप्त की है। आरजेएस परीक्षा में बीकानेर का दबदबा रहा है।

बीकानेर से करीब 12 से अधिक अभ्यर्थियों का इस परीक्षा में चयन हुआ है। राजकीय विधि महाविद्यालय बीकानेर के सात अभ्यर्थियों का आरजेएस 2024 परीक्षा में चयन हुआ है। जिसमें छः छात्राएं हैं। राजकीय विधि कॉलेज की छात्रा शैली आचार्य ने 66वीं और रेनू बाला ने 68वीं रैंक हासिल की है। जबकि मोनिका राजपुरोहित ने 71वीं, महिमा ने 91वीं, प्रियंका सोलंकी ने 108वीं, ओमप्रकाश राईका ने 197, ऋचा जाटव ने 213वीं रैंक हासिल कर बीकानेर का नाम रोशन किया है। इसके अलावा बीकानेर की ही देवयानी शर्मा ने पहले प्रयास में 26 वीं रैंक हासिल की है। पाली में रहने वाली बीकानेर मूल की लवली सुराणा का भी आरसीएस परीक्षा में चयन हुआ है। जज का बेटा आदित्य व्यास भी बना जज बीकानेर मूल के आदित्य व्यास का प्रथम प्रयास में 47 रैंक पर आरजेएस में चयन हुआ है। आदित्य के पिता उमाशंकर व्यास वर्तमान में राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर में न्यायाधिपति के पद पर कार्यरत है वहीं उनकी मां नंदनी व्यास जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर मेट्रो के पद पर कार्यरत है। आदित्य की बहन सोनल एवं जीजा पुरुषोत्तम भी वर्तमान में अलवर में सिविल न्यायाधीश के पद पर कार्यरत है।

आरजेएस परीक्षा में टॉप रैंक हासिल करने वाली राधिका बंसल ने 'भास्कर' से कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। यदि आपको सफल होना है तो पढ़ाई को पूरा समय देना होगा। बीकानेर संभाग के हनुमानगढ़ जिले में रहने वाली राधिका ने तीन महीने पहले ही नगर निगम बीकानेर कार्यालय में जेएलओ के पद पर कार्य ग्रहण किया था। राधिका ने बताया कि आरजेएस बनना उनका पहला सपना था। जिसे लगातार कठिन परिश्रम और अध्ययन से उन्होंने हासिल किया है।

अवैध शराब के 388 कार्टन बरामद

गुडामालानी, (निसं)। बाडमेर जिला पुलिस अधीक्षक के द्वारा चलाए जा रहे अवैध तस्करी रोकथाम अभियान के तहत एवं गुडामालानी पुलिस उपाधीक्षक सुखाराम विश्नोई के निर्देश पर क्षेत्र के रागेश्वरी पुलिस थाना नगर ने डीएसटी टीम के संयुक्त नाकाबंदी कर कार्यवाही करते हुए टैंकर से अवैध शराब के 388 कार्टन बरामद करने के साथ टैंकर चालक को गिरफ्तार किया। नगर थाना प्रभारी आदेश कुमार यादव ने बताया कि मुखबिर की सुचना पर नगर आरजीटी पुलिस एवं डीएसटी टीम ने नाकाबंदी करते हुए जोधपुर कि तरफ से आ रहे एक टैंकर को रुकवाकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान टैंकर के अन्दर रखें अवैध अंग्रेजी शराब के 388 कार्टन बरामद किए।

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)

क्रमांक :- विकास/2024-25/1855 दिनांक :- 25/10/2024

निविदा सूचना संख्या 12/2024-25 NIB Code DLB2425A3586

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी व अन्य विभागों में "ए" व 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से उपरोक्त कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.in** व **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है। उक्त कार्यो के यू.बी.एन. नं. DLB2425WSOB11266, 11267, 11268, 11269, 11271 है।

आयुक्त
नगर परिषद जैसलमेर

राज.संवाद/सी/24/7044

अवैध डोडा-पोस्त सहित एक आरोपी गिरपतार

पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त के साथ एक आरोपी को गिरपतार किया।

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध सप्ताह की लगातार तीसरी बडी कार्यवाही की। ऑपरेशन भौकाल के दौरान तस्करों के खिलाफ कार्यवाही कर 679.655 किलोग्राम डोडा पोस्त (कीमतन करीब 50 लाख रूपये) सहित परिवहन में प्रयुक्त प्राईवेट एम्बुलेन्स वाहन को जब्त किया। डोडा पोस्त तस्कर भोमाराम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि प्राइवेट एम्बुलेंस वाहन में 33 काले रंग के प्लास्टिक कट्टों में भरे कुल 679.655 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जिसकी कुल कीमत 50 लाख रूपए आंकी गई है, को बरामद कर मादक पदार्थ तस्कर भोमाराम जाट को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

ज्ञात रहे कि 27.10.2024 को भंवरलाल उनि. थानाधिकारी बायतु मय जाब्ता द्वारा मुखबीर सुचना अनुसार पुलिस थाना बायतु के आगे बैरियर लगाकर नाकाबन्दी की जा रही थी। दौराने नाकाबन्दी नेशनल हाईवे से जोधपुर की तरफ से आ रही एक एम्बुलेंस वाहन को संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम द्वारा रूकवाने का प्रयास किया तो एम्बुलेंस चालक द्वारा नजदीक आने पर पुलिस नाकाबन्दी को देखकर एम्बुलेन्स की बत्ती व सायरन को चालु कर पुलिस जाब्ता को जान से मारने की नियत से बैरिकेट को टक्कर मारकर हवा में उडा दिया, बैरियर एम्बुलेन्स के मैन शीशे पर गिरने से शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस जाब्ता द्वारा अपनी सूझबूझ व सजगता से अपना बचाव करते हुए एम्बुलेन्स चालक नाकाबन्दी तोडकर भागने पर जिसका निरन्तर सरकारी वाहनों से पीछा कर सरहद कोसरिया में एम्बुलेंस को रुकवाया तो एम्बुलेंस में सवार चालक व खलासी एम्बुलेंस को छोडकर भागने लगे जिस पर चालक भोमाराम पुत्र रूखाराम जाति जाट उम्र 29 साल निवासी जाखडो की ढाणी, सनावडा पुलिस थाना सदर जिला बाडमेर को दस्तयाब किया गया। एम्बुलेंस में अवैध डोडा पोस्त भरा हुआ होना बताया। एम्बुलेंस में 33 काले रंग के प्लास्टिक कट्टों में भरे कुल 679.655 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त सहित तस्करी में प्रयुक्त वाहन एम्बुलेंस को बरामद किया।

फायरिंग करने का मुख्य आरोपी पकड़ा

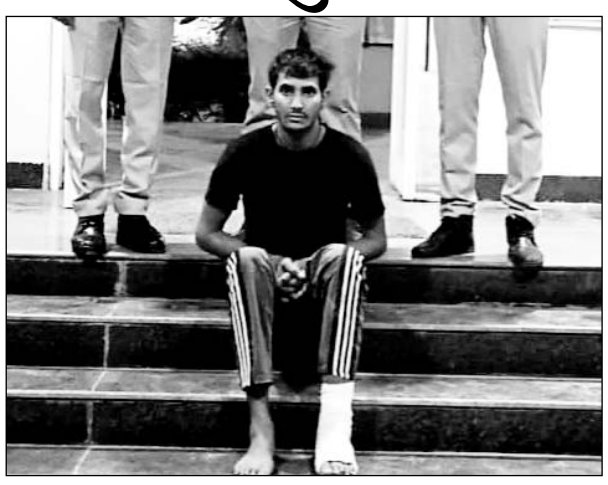

राजगढ़ में फायरिंग करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

राजगढ़। अलवर मार्ग पर रेलवे अंडरपास गेट नंबर 138 के पास 24 अक्टूबर को रात्रि लोहा व्यापारी की कार पर फायरिंग कर जान से मारने व लूटपाट के इरादे को लेकर फायरिंग के शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शातिर आरोपी महुआ थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

गिरफ्तार आरोपी भगवान सहाय मीणा उर्फ काडू 27 वर्ष पुत्र दिलीप सिंह निवासी महुआ थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शातिर बदमाश के विरुद्ध खेड़ली, मंडावर, जयपुर, भुसावर, अलवर सहित अन्य था नों में 26 गंभीर मामले दर्ज हैं। एडिशनल एसपी प्रियंका ने बताया कि महानिरीक्षक अजय पाल लांबा एवं संजीव नेन जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उप अधीक्षक मनीषा मीणा की मार्गदर्शन में वारदात के बाद टीमों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लाते समय टॉयलेट के बहाने फरार होने का असफल प्रयास किया,इस दौरान पहाड़ी पर भागते समय उसके पैरों में चोट आई। आरोपी गैंग का सरगना है जिसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। विदित रहे कि लोहा व्यापारी हरिशंकर गुप्ता निवासी राजगढ़ एवं चालक महेंद्र मीणा को गोदाम से आते समय बदमाशों ने कार पर फायरिंग की एवं व्यापारी को जान से मारने को लेकर चलाई गोली चालक के लग गई।

■ जान से मारने व लूटपाट के इरादे से की थी फायरिंग

इसमें चालक महेंद्र मीणा को गंभीर हालत में राजगढ़ से अलवर रैफर कर दिया।इसमें साइबर सेल एवं आने तकनीकी अनुसंधान की कुशलकार्मिकों की टीम बनाई गई,इसके बाद आरोपी को पकड़ने मेंकामयाबी मिली।इस टीम में थानागाजी एवं लक्ष्मणगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक एवं अन्य दर्जन पर अधिकारी कर्मचारी ने कडी मसस्कत की। सुंदर सोमवार को आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे रिमाड पर भेज दिया।

कार्यालय नगर परिषद, केकड़ी - राजस्थान

Email ID - npkekri2011@gmail.com (O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri

क्रमांक : नपके/मानव संसाधन/2024-25/2693 दिनांक : 23.10.2024

-: ई निविदा सूचना (11/2024-25) (NIB No. DLB2425A3598) :-

एतत् द्वारा है कि नगरपालिका परिसर केकडी में पंजीकृत पंजीकृत एनजीओ/संस्था/फर्म/सप्लायर्स से पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.gov.in** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। निविदा के कुल कार्य - 5 (पांच)

UBN NO. - 1. DLB2425WSOB11288 , 2. DLB2425WSOB11289, 3. DLB2425WSOB11290, 4. DLB2425WSOB11291, 5. DLB2425WSOB11292

सभापति
नगर परिषद केकड़ी

आयुक्त
नगर परिषद केकड़ी

राज.संवाद/सी/24/7087

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड - 306401)

(टेली-फैक्स : 02932-221301, ई-मेल : cmcpali@yahoo.co.in, वेब-साईट : www.mcpali.com)

क्रमांक : प.12 ( ) विकास/2024/08 दिनांक : 24.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25

नगर निगम, पाली की ओर से स्वायत्त शासन विभाग/नगर निगम, पाली से पंजीकृत या अन्य विभागों में 'ए' अथवा "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से 08 कार्यों की (अनुमानित लागत रु. 49.94 लाख) ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। संवेदक दिनांक 25.10.2024 को प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 05.10.2024 को सांय 6.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाऐं जमा करा सकते हैं। निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **https://eproc.rajasthan.gov.in** से तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। उक्त 08 कार्यों के यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

DLB2425WSOB11173 DLB2425WSOB11175 DLB2425WSOB11177 DLB2425WSOB11179 DLB2425WSOB11180 DLB2425WSOB11182 DLB2425WSOB11183 DLB2425WSOB11184

आयुक्त
नगर निगम, पाली

राज.संवाद/सी/24/7108

डीएलएड पूरक परीक्षा की तिथियों में बदलाव

बीकानेर। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर की ओर से 25 अक्टूबर से शुरू हुई डीएलएड पूरक परीक्षा- 2023 की तिथियों में बदलाव किया गया है। दीपावली पर्व के कारण 29 अक्टूबर और 30 अक्टूबर को आयोजित होने वाली सैद्धांतिक एवं क्रियात्मक पूरक परीक्षा अब 5 नवंबर 6 नवंबर को आयोजित की जाएगी। शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर के पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने इस संबंध में संशोधित आदेश जारी किए हैं। विदित रहे कि पूर्व में पूरक परिचय 30 अक्टूबर तक आयोजित होनी थी। लेकिन अब परीक्षाओं का समापन 6 नवंबर को होगा। परीक्षा की तिथियों में संशोधन किया गया है।

बायोपार्क के रेस्क्यू सेंटर में इलाज के दौरान दो पैंथर की मौत

उदयपुर, (का.सं.)। आदमखोर पैंथर के खौफ से चर्चा में आये उदयपुर में पिछले 20 दिनों में 4 पैंथर की मौत भी हो चुकी है। दो पैंथर इलाज के दौरान रेस्कयू सेंटर पर मर गए। सर्च ऑपरेशन के दौरान एक पैंथर को गोली मारी गई। वहीं एक पैंथर को लोगों ने मार दिया।

उदयपुर के गोगुंदा और झाड़ोल में पैंथर10 लोगों का शिकार कर चुका है। वहीं 20 दिनों में चार पैंथर की भी मौत हो चुकी है। सर्च ऑपरेशन के दौरान एक पेंथर को गोली मारी गई। वहीं एक पेंथर को लोगों ने मार दिया। दो पैंथर इलाज के दौरान रेस्कयू सेंटर पर मर गए। दरअसल गोगुंदा और झाड़ोल में पैंथर द्वारा लगातार हमले के बाद वन विभाग ने बाहर से टीमें बुलाकर गोगुंदा और बड़गांव से सटे जंगलों में डेरा डाल दिया था।इस दौरान 10 लोगों का शिकार करने के बाद विभाग ने पैंथर को गोली मारने का भी आदेश दिया था।

उदयपुर के वाइल्ड लाइफ विंग के डीएफओ डीके तिवारी ने बताया कि सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में वन विभाग का रेस्क्यू सेंटर है। सेंटर में आसपास के जिलों के प्रादेशिक वन मंडलों में कोई भी पैंथर घायल या बीमार हो तो उसे लाया जाता है। यहां डॉक्टर उनका इलाज करते है। उनका कहना है। घायल दोनों पैंथर की इलाज के दौरान ही मौत हो गई। उनकी मौत के बाद सरकारी नियमों के अनुसार उनका पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया। पूरी जानकारी भी आला अधिकारियों को भेजी जाती है।

इधर वन विभाग की टीम उदयपुर के पास लखावली गांव के पास से 21 अक्टूबर को पिंजरे में आए पैंथर को लेकर आए थे। 22 अक्टूबर की सुबह वह बायोलॉजिकल पार्क से पैंथर पिंजरे से भाग गया। वन विभाग ने वहां सर्च ऑपरेशन शुरू किया और पूरा बायो पार्क छान मारा लेकिन पेंथर कहीं नहीं दिखा और बायोपार्क में टूरिस्ट का प्रवेश बंद कर दिया था। वन विभाग को जब यह लगा कि पेंथर बायोपार्क में नहीं दिखा तो उसके बाद शनिवार को बायो पार्क टूरिस्ट के लिए खोला था। विभाग ने अब अंदेशा जताया कि पेंथर यहां नहीं दिखा तो अब वह सज्जनगढ़ अभयारण्य एरिया में चली गई है।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (ERCC XV)/2024/ई-8881

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-ERCC(XV/2024)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 12 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(भगवती प्रसाद) IAS
निदेशक

DIPR/C/10544/2024

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH

Tel. No. 02904-252039 E-mail Id-EODEOGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN

S.No. F ( )/MBD/Engg./E-NIB/11/2024-25/2237 Date :- 25.10.2024

Notice Inviting BID

NIB No 11/2024-25

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यो हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत शासी संस्थाओ में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में आनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट **www.sppp.raj.nic.in or http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2425A3578

UBN No :- DLB2425WSOB11260

महत्वपूर्ण तिथिया

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	01
निविदा की अनुमानित लागत	15.00 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	28.10.2024 04:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	28.10.2024 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	12.11.2024 06:00 PM तक
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की तिथि	13.11.2024 11:00 AM तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	13.11.2024 12:00 PM से
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in

अध्यक्ष
नगर पालिका देवगढ़

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका देवगढ़

राज.संवाद/सी/24/7058

वेदी को लेकर मंदिर में ही लड़ने लगे जैन समाज के दो पक्ष

मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच लात-घुंसे चले, जमकर हाथापाई भी हुई, मामला थाने पहुंचा

कोटा, (निसं)। अहिंसा का अनुसरण करने वाले ही अगर मारपीट पर उस जगह पर उतारू हो जाए जहां पर अहिंसा के प्रवचन दिए जाते हैं तो मुद्दा काफी गंभीर हो जाता है। कुंडी रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित जैन मंदिर ऐसा नजारा रविवार की रात देखने को मिला। जहां पुरानी वेदी तोड़ने को लेकर विवाद गहरा गया। मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच लात-घुंसे चले, जमकर हाथापाई भी हुई। मामला इतना गहराया की थाने पहुंच गया।

दोनों पक्षों की तरफ से थाने पर शिकायत दी गई है। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। रविवार देर रात तक पुलिस बल पर मंदिर पर तैनात रहा। कुन्हाड़ी थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित जैन मंदिर में पुरानी वेदी को हटाने को लेकर मंदिर ट्रस्ट और समिति के बीच में विवाद हुआ था। दोनों पक्ष के बीच मारपीट की शिकायत आई है। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है।

मंदिर ट्रस्टी राजकुमार सबदरा और अशोक हरसोरा ने शिकायत दी है कि मंदिर का शिलान्यास 2003 में हुआ और विधि-विधान से बनाया गया था। पूर्व से ही मामला वेदी को लेकर गहराया हुआ है। उसके बाद भी गुरु सेवा संघ ने मंदिर ट्रस्ट और समाजजनों की बिना सहमति के मंदिर की पुरानी वेदी को

मारपीट होने पर दोनों पक्षों की तरफ से थाने पर शिकायत दी गई है।

तोड़ना शुरू कर दिया। सूचना पर समाज के लोगों ने पहुंचकर विरोध किया तो उनके साथ कुछ लोगों द्वारा मारपीट की गई। सचिन गोहिल, संदीप जैन, रोमिल जैन, प्रियंका जैन, अलका जैन और रोशन जैन तथा लाभचंद जैन घायल हुए हैं। वहीं समिति के पारस बज का कहना है कि समाज के अधिकतर लोग उनके पक्ष में हैं। मंदिर में बिना किसी तोड़फोड़ के ग्रेनाइट के ऊपर ही चांदी की वेदी लगाई जा रही है। पूर्व में जो काम हुए हैं उसे देखा जाए तो वेदी के नीचे जो स्थान है वह पूरी तरीके से पोला है।

मंदिर पर एक दो परिवार अपना एकाधिकार समझते हैं वे लोग ही ऐसा विवाद खड़ा कर रहे हैं। वही इस विवाद पर नजर रखने वाले समाज के व्यक्ति का कहना है कि समाज का आपसी विवाद बाहर आना समाज के लिए अच्छी बात नहीं है। समाज के सुनील जैन का कहना है कि जब से मंदिर स्थापित हुआ है सब कुछ अच्छा हो रहा है ऐसे में वेदी के साथ छेड़छाड़ करना उचित प्रतीत नहीं होता। ऊपर प्रतिमा स्थापित की जा रही है तो वहीं पर चांदी की वेदी भी बना दी जाएँ। कई बार महाराज श्री से भी इस विवाद में बीच का रास्ता निकालने के लिए प्रार्थना की जा चुकी है। परंतु ऐसा नहीं हो पाया और अब विवाद खुलकर लोगों के सामने आ गया है जो किसी भी स्थिति में समाज के लिए ठीक नहीं है। वहीं कोटा के रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में 27 अक्टूबर 2024 को श्रुत समाधान कार्यक्रम के दौरान हंगामे की घटना से सकल जैन समाज में रोष हैं। नदी पार सकल दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारियों ने हजारों की संख्या में एकत्रित होकर मौन जुलूस निकाला और अपना रोष प्रकट किया।

मंदिर अध्यक्ष राजेन्द्र गोधा ने बताया कि दोपहर 2.30 बजे जैन समाज हजारों लोग रिद्धि-सिद्धि जैन मंदिर में एकत्रित होकर, हाथों पर काली पट्टी बांध कर, कतारबद्ध होते हुए मंदिर से कुन्हाडी थाने पहुंचे और गुरूदेव संत आदित्य सागर महाराज से अभद्रता के खिलाफ ज्ञापन सौपकर शीघ्र कार्रवाही की मांग की। सचिव पंकज खटोड़ ने बताया कि जूलूस में बच्चों से लेकर महिलाएं, बुजुर्ग, युवा व जैन समाज के हजारों लोग शामिल रहे। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष टीकम पाटनी व मंत्री पारस बज आदित्य ने बताया कि जैन समाज के प्रतिष्ठित संत आदित्य सागर महाराज की आरती के समय रविवार सांय कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मंच पर बैठे महाराज पिच्छी, कमण्डल छीनने की कोशिश और अपशब्द कहे। इस घटना के समय मंदिर में उपस्थित समाज के लोगों और महिलाओं ने इन व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया, जिसके बावजूद उन्होंने समाज के लोगों के साथ धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि ट्रस्टी राजकुमार सबदरा और उनके साथियों द्वारा यह उपद्रव किया गया।

जैन समाज के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में प्रशासन से मांग की है कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और भविष्य में धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। पारस बज आदित्य, संजय व पारस लुहाडियो ने बताया कि ज्ञापन में ट्रस्टी राजकुमार सबदरा, सुरेश गोहिल्या, अशोक टंच, लाभचंद सोगानी तथा राजकुमार सबदरा के पुत्र अनिकेट सबदरा व सुरेश गोहिल्या का पुत्र सचिन गोहिल्य, रोमिल जैन पर कठोर कार्यवाही की मांग कही है। ज्ञापन सौपते समय जिनेन्द्र, टीकम चंद पाटनी, मंत्री पारस बज आदित्य, कोषाध्यक्ष निर्मल अजमेरा, राजेन्द्र गोधा, सचिव पंकज खटोड़, कोषाध्यक्ष ताराचंद बडला,पारस लुहाड़िया, राजकुमार पाटनी, संजय लुहाड़िया, पारस कासलीवाल, विनोद सारसोप, पुष्प लुहाड़िया, राजकुमार पाटनी, दीपक नान्ता, पीयूष बज, दीपांशु जैन, राजकुमार बाकलीवाल, जम्बू बज, महेंद्र गोधा, पदम बाकलीवाल, अशोक पापड़ीवाल सहित हजारों महिला व पुरूष भारी संख्या में कुन्हाड़ी पुलिस थाने पर एकत्रित हुऐं।

जैन समाज के चतुर्मास समिति और श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर समिति और कुन्हाडी सकल जैन समाज के लोगों ने मिलकर थाना अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की। समाज ने यह भी अनुरोध किया कि महाराज के चतुर्मास और आगामी पंचकल्याणक महोत्सव के आयोजन में बाधा उत्पन्न करने वाले किसी भी असामाजिक तत्व को सख्ती से रोका जाए। मौन जुलूस में बच्चों से लेकर बुजुर्गो ने उपस्थित होकर गुरू के अपमान का असहनीय बताया। संजय लुहाड़िया ने मंदिर परिसर में अनशन पर बैठकर न्याय की मांग कर रहे है। समिति का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-सपोटरा

क्रमांक-3018-26 दिनांक- 22.10.2024

निविदा सूचना संख्या-12/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों/फर्मों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। अल्पकालीन निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	UBN NO.	NIB NO.
1	Consulatancy Work for Prepartion of Detailed Project Report (DPR) For Construction of High level Bridge on Salampur to Baloti-Dabra-Shekhpura-Gothra-Varwasan Devi-Naroli-Kaladevi Road at Varwasan Devi With SBC Tests, Hydraulic Design and Drawing and DPR of 5.50 Mt Wide Road (30.00Km) With Hydraulic Design and Drawing of CD Works including Forest Clearance.	PWD2425SLOB08731	WD2425A2368

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सपोटरा

DIPR/C/10509/2024

दीपावली पर शहर में यातायात को सुचारू रखने का बेहतर प्रबंध करें : कलेक्टर

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि महिला अधिकारिता विभाग द्वारा महिला सुरक्षा सलाह केन्द्रों व सखी वन स्टॉप सेंटर में प्राप्त प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निस्तारित करवाएं।

उन्होंने कहा कि विभागीय केन्द्रों के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को अस्थायी आश्रय, कानूनी व चिकित्सा परामर्श, रोजगार, प्रशिक्षण व काउंसलिंग जैसी अन्य सहायता प्रदान की जाए। जिला कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि ऐसे समस्त केन्द्रों पर दर्ज प्रकरणों की सूचना आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास व महिला अधिकारिता विभाग को उड़ान योजना के तहत सेनेटरी नैपकिन की आपूर्ति एवं वितरण संबंधित कार्यों की ब्लॉक स्तर पर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

सैनेटरी नैपकिन रिज़र्व रखने व वितरण में लापरवाही बरतने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा सेतु योजना का लाभ हर पात्र ड्रॉप आउट बालिका और महिला को मिल सके, इसके लिए और अधिक प्रयास किए जाए। ग्राम पंचायतों में साथिनों की मदद से विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार करवाया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग को जिले के समस्त विद्यालयों का सर्वे करवाने व जर्जर हुए कमरों की सूचना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं परिवहन विभाग को दीपावली के मद्देनजर शहर में यातायात को सुचारू व व्यवस्थित बनाए रखने के लिए बेहतर प्रबंध करने को कहा।

सुरक्षा के मद्देनजर बिना नंबर प्लेट व लाइसेंस, ओवर लोडिंग वाहनों सहित बिना हेलमेट के वाहन चालकों के चालान काटने ओर आवश्यक अनुसार ऐसे वाहनों को जब्त करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति में और सुधार लाने व गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषाहार तथा स्मार्ट टीवी के माध्यम से होने वाली गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। आबकारी विभाग को सायं 8 बजे के बाद शराब की दुकानों खुली मिलने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कृषि, परिवहन, जिला अग्रणी बैंक, पुलिस विभाग, रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दीपावली के मद्देनजर बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने अधिकारियों की बैठक ली।

- सुरक्षा के मद्देनजर बिना नंबर प्लेट व लाइसेंस, ओवर लोडिंग वाहनों सहित बिना हेलमेट के वाहन चालकों के चालान काटने और वाहनों को जब्त करने के निर्देश दिए

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, प्रशिक्षु आईएएस साई कृष्ण, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ दुलीचंद मीना, महिला एवं बाल विकास के उप निदेशक सुभाष बिश्नोई, सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल. डी. पवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पांच छात्राओं का न्यायिक सेवा में चयन

बीकानेर, (कासं)। रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय की 5 होनहार छात्राओं का राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा 2024 में चयन होने पर महाविद्यालय प्रशासन एवं स्टाफ ने एक दूसरे को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अन्नत जोशी ने बताया कि राजस्थान न्यायीक सेवा परीक्षा में महाविद्यालय की 5 होनहार छात्राओं ने जिसमें देवयानी शर्मा ने 26 वी रैंक के साथ बीकानेर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही 43वीं रैंक पर भूमिका पारीक, 57 वीं रैंक पर शैली आचार्य, 91वीं रैंक पर महिमा दुग्गड तथा 191वीं रैंक पर पूजा जनागल के चयन पर महाविद्यालय एवं बीकानेर को गौरवान्वित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों द्वारा 26 वीं रैंक पर चयनित छात्रा देवयानी शर्मा का माला व बुके से स्वागत करते हुए उनके परिवारजनों के साथ खुशी व्यक्त की। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष सुनील रामपुरिया ने सभी चयनित छात्राओं के साथ-साथ महाविद्यालय स्टाफ को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की तथा कहा कि इन बेटियों ने स्वर्णिम इतिहास को दोहराते हुए महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

सार-समाचार

होनहारों को छात्रवृत्ति बांटी

एन.एन. आरएसवी उच्च माध्यमिक विद्यालय के 61 होनहारों को छात्रवृत्ति का वितरण किया।

बीकानेर, (कासं)। मरूधर नगर स्थित एन.एन. आरएसवी उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 10 वीं व 12वीं में नियमित अध्यनरत उन विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप का वितरण किया गया जिनके कक्षा 10वीं में श्रेष्ठ अंक थे। विद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि प्रत्येक वर्ष कक्षा 10 वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप का वितरण किया जाता है। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि के. एन. व्यास वरिष्ठ मंडल प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम, डॉ विमला डूकवाल डीन, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, राजेंद्र जोशी साहित्यकार एवं पूर्व परियोजना अधिकारी प्रौढ शिक्षा केन्द्र, आरएसवी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सीईओ आदित्य स्वामी, डायरेक्टर अंबिका गौतम, ज्वाइंट डायरेक्टर तान्या कृष्ण गुप्ता, प्रधानाचार्य पूनम चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में 61 विद्यार्थियों को 450000 रूपए से अधिक की छात्रवृति का वितरण किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सम्मानित करने के प्रयास की सराहना की तथा अन्य विद्यार्थियों को भी सफल विद्यार्थियों से प्रेरणा लेने की सीख प्रदान की। विद्यार्थियों को अपने माता-पिता के साथ अवश्य बैठना चाहिए तथा मोबाइल से जहां तक हो सके दूरी बनाने की कोशिश करनी चाहिए। अपने धन्यवाद भाषण में आदित्य स्वामी ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय द्वारा शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में किया जा रहे विभिन्न नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया।

आरोग्य योजना में पंजीकरण 31 तक

श्रीगंगानगर, (कासं)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का लाभ शहर से लेकर गांव तक हर जरूरतमंद को मिल रहा है। योजना के तहत पंजीकृत परिवार को 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा एवं 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर मिलता है। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि जिन नागरिकों का पंजीकरण नहीं हुआ है या जिनका 31 अक्टूबर को पंजीकरण समाप्त हो रहा है, वे परिवार 31 अक्टूबर तक पंजीयन अवश्य करवा लें ताकि एक नवम्बर से योजना का लाभ मिल सके। योजना में पंजीकरण से वंचित परिवारों से अपील की है कि वे 31 अक्टूबर तक पंजीकरण अवश्य करवाएं ताकि किसी भी तरह की शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी अनहोनी पर योजना का लाभ मिल सके। इसके बाद पंजीकरण करवाने वालों को नियमानुसार तीन माह बाद यानी एक फरवरी 2025 से लाभ मिल सकेगा। डीपीसी डॉ. सुनील बिश्नोई ने बताया कि योजना के तहत जिले में कुल 57 अस्पताल अधिकृत है, जिसमें 18 राजकीय चिकित्सालय एवं 39 निजी चिकित्सालय शामिल है। उन्होंने बताया कि योजना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, सामाजिक-आर्थिक जनगणना-2011, लघु एवं सीमांत किसान, संविदा कर्मियों तथा कोविड-19 की अनुग्रह राशि प्राप्त करने वाले निराश्रित एवं असहाय परिवारों के लिए बीमा का प्रीमियम सरकार वहन कर रही है। ऐसे परिवारों का पंजीकरण स्वत: ही हो रहा है।

सोलर पम्प पर 60 प्रतिशत अनुदान

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिलों में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण के कमाण्ड क्षेत्र में राजस्थान जल क्षेत्र पुन: संरचना परियोजना (आरडब्लयूएसआरपीडी) के तहत किसानों के लिए 3, 5 और 7.5 एचपी के लगभग पांच हज़ार ऑफ ग्रिड सोलर पम्प संयत्र स्थापित किये जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए किसानों को 60 प्रतिशत सब्सिडी दी जायेगी। जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राकेश गुप्ता ने बताया कि जल संसाधन विभाग के माध्यम से संचालित इस योजना के तहत इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण के कमांड क्षेत्र में किसानों को यह सब्सिडी दी जायेगी तथा शेष 40 प्रतिशत राशि संबंधित कृषक द्वारा वहन की जायेगी। कृषक द्वारा वहन की जाने वाली लागत में से 30 प्रतिशत राशि तक का बैंक ऋण प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए कम्पनी रोटोमग मोटर्स एंड कंट्रोल प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध किया गया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही पात्र कृषकों की कृषि भूमि पर पम्प स्थापित करने का कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा। अतिरिक्त मुख्य अभियंता गुप्ता ने बताया कि जल संसाधन विभाग के अधीन चलाई जा रही आरडब्लयूएसआरपीडी परियोजना में पम्पों की लागत उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित पी.एम. कुसुम योजना से कम आयेगी। इस योजना के अधीन 12 प्रकार के पम्पों में से कृषक अपनी आवश्यकतानुसार पंप लगवा सकते हैं।

जरूरतमंदों को कपड़े मिठाई वितरित

बीकानेर, (कासं)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एन एस जे नागरिक सेवा फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों को दीपावली पर वस्त्र और मिठाई वितरित की जायेगी। फाउंडेशन के निदेशक प्रतीक दाधीच ने बताया कि जरूरतमंद लोगों की दीपावली भी खुशियों भरी हो इसके लिए पिछले दो सालों से फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरित किए जाते है। इस वर्ष जरूरतमंद लोगों को फाउंडेशन द्वारा वस्त्र के साथ मिठाई भी वितरित की जायेगी। पिछले वर्ष मुक्ता प्रसाद कॉलोनी में स्थित गरीब बस्ती में करीब 150 लोगों को वस्त्र वितरित किए गए थे। इस वर्ष भी जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को साड़ियां, पुरूषों को वस्त्र तथा बच्चों के लिए मिठाई वितरित की जायेगी ताकि गरीब परिवारों की दीपावली भी रोशन हो सकें और वे भी दीपावली जैसे पर्व पर अपनी खुशियां मना सकें। फाउंडेशन से जुड़े रामदेव आसोपा ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा समय- समय पर जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती रही है। कोरोना काल में फाउंडेशन द्वारा कोरोना पीड़ित परिवारों को उनके घर तक पूरे परिवार का शुद्ध और सात्विक भोजन नि:शुल्क पहुंचाकर उन परिवारों की मदद की थी। इसके अलावा फाउंडेशन द्वारा बुजुर्गों को उनके एक कॉल पर सहायता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, राशन सामग्री वितरण, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, प्रतिभाशाली अभावग्रस्त बच्चों की फीस आदि में भी मदद की जाती है।

माली सैनी सामूहिक विवाह 12 को

बीकानेर, (कासं)। माली सैनी सामूहिक विवाह समारोह 12 नवम्बर को होना तय हुआ है। इस संबंध में रविवार को गोपेश्वर बस्ती स्थित शिव पार्वती भवन में एक मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग को संबोधित करते हुए माली सैनी सामूहिक विवाह समारोह के अध्यक्ष कन्हैयालाल भाटी ने बताया कि इस बार भी सामूहिक विवाह समारोह भव्य होगा और समाज के लोगों को वास्तविक रूप से लाभ पहुंचे ऐसे प्रयास किए जायेंगे। अध्यक्ष भाटी ने बताया कि 29 अक्टूबर को गणेश विराजित होंगे और मांगलिक कार्यों की शुरूआत होगी। मीटिंग में तुलसीराम पंवार, मूलचंद पंवार, प्रेम कुमार गहलोत, नारायण भाटी, नन्दकिशोर गहलोत, एडवोकेट हरीश तंवर, मुरली गहलोत, राकेश सांखला, सूरजरतन, संदीप भाटी आदि मौजूद थे।

लैथ मशीन का काम करने वाले की बेटी आर. जे. एस. बनी, 26 वीं रैंक

बीकानेर, (कासं)। आर.जे.एस. इंटरव्यू के बाद चयनितों का रिजल्ट जारी कर दिया है। शनिवार तक इसके लिए इंटरव्यू चल रहे थे और रविवार को रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। बीकानेर से आधा दर्जन का इस बार चयन हुआ है, जिसमें लड़कियों की संख्या ज्यादा है।

मेरिट में बीकानेर से देवयानी शर्मा ने 26 वां स्थान प्राप्त किया है। रानी बाजार से स्टेशन रोड की तरफ जाने वाले मार्ग पर रहने वाली देवयानी के पिता लैथ मशीन का काम करते हैं और मां सामान्य गृहिणी है। दसवीं-बाहरवीं में अच्छे मार्क्स लाने के बाद भी देवयानी ने कॉमर्स विषय लिया और ग्रेजुएशन के बाद एलएलबी की। रामपुरिया जैन लॉ कॉलेज से एल.एल.बी. देवयानी का कहना है कि उसी समय तय कर लिया था कि मुझे कोर्ट में प्रैक्टिस नहीं करनी बल्कि ज्यूडिशियल सर्विस में जाना है।

देवयानी ने अपनी सफलता के लिए गुरूजनों और मेंटोर को श्रेय दिया है। देवयानी ने कहा कि अपने गुरू अनन्त जोशी, बिट्ठल बिस्सा, बालमुकुंद व्यास, शराफत के साथ ही नवरतन सिंह राठौड़ को श्रेय दिया। डॉ. अनिल कौशिक के साथ ही इंटरव्यू के दौरान अभियोजन अधिकारी संजीव पुरोहित को श्रेय दिया। संजीव ने ही मॉक इंटरव्यू करवाए। उधर इंग्लिश टीचर हेमंत रंगा ने देवयानी को सफलता की बधाई दी।

- हाईकोर्ट जज के बेटे और कोर्ट कर्मचारी की बेटी का भी चयन

देवयानी ने बताया कि इंटरव्यू में उससे पूछा गया कि सोशल मीडिया पर कितना समय देते हैं। इस पर देवयानी ने कहा बहुत कम समय दे पाती हूं। दूसरा सवाल था कि क्या चलाते हैं। देवयानी ने कहा कि व्हाट्सएप और टेलीग्राम चलाती हूं। क्योंकि इससे मटेरियल मिल जाता है। इस पर इंटरव्यू में पूछा कि व्हाट्सएप पर ये 'एंड टू एंड इनक्रिप्टेड' क्या लिखा होता है। देवयानी बताया कि बातचीत और मैसेजिंग करने वालों की प्राइवेसी से जुड़ी टर्म है। इसके अलावा राजस्थान में कौनसी भाषा शैली चलती है। डिंगल के बारे में क्या जानते हैं। राजस्थान की पर्वत श्रृंखला के बारे में पूछा गया। ये भी पूछा गया कि अगर आपको किसी विश्वविद्यालय का वीसी बना दिया जायेगा तो आप कैसे संचालन करेंगे। भारत में फांसी की सजा कहां-कहां है? इस बारे में भी पूछा गया। ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट के बारे में सवाल हुए। सामान्य लॉ के काफी सवाल किए गए।

राजस्थान उच्च न्यायालय के सिविल जज 2024 के परिणाम में बीकानेर के आदित्य व्यास का प्रथम प्रयास में 47 रैंक पर चयन हुआ है। आदित्य व्यास के माता-पिता भी जज हैं। उनके पिता उमाशंकर व्यास हाईकोर्ट में न्यायाधिपति है। वहीं मां नंदिनी व्यास जिला एवं सेशन न्यायाधीश है। इतना ही नहीं आदित्य की बहन सोनल एवं जीजा पुरुषोत्तम भी अलवर में सिविल न्यायाधीश के पद पर कार्यरत है। बीकानेर कोर्ट में काम करने वाले श्रवण जनागल की बेटी पूजा का चयन आरजेएस परीक्षा में हुआ है।

नशा तस्कर सहित मां-बाप की संपत्ति फ्रीज

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले की हिन्दुमलकोट थाना पुलिस ने सोमवार को चक तीन बी बड़ी में एक तस्कर की दो संपत्तियों को फ्रीज किया।

ये तस्कर लम्बे समय से तस्करी की गतिविधियों में शामिल रहा है। ऐसे में पिछले कई दिन से पुलिस की नजर इसके गांव तीन बी बड़ी स्थित संपत्तियों पर थी। इलाके में नशे की गतिविधियां रोकने के लिए पुलिस पिछले कई दिन से तस्करों की संपत्तियां फ्रीज करने और उनके अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार कर रही है।

इसी क्रम में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपी गांव पक्की के सुखविंद्र सिंह उर्फ सुखा उर्फ लहरी पुत्र दलीप सिंह की मां तारो बाई के नाम से तीन बी बड़ी ढाणी में स्थित तीन बीघा कृषि भूमि और इसी इलाके में आरोपी के पिता दलीप सिंह के नाम से एक आवासीय मकान को भी पुलिस ने सीज कर दिया। तस्कर के खिलाफ यह कार्रवाई इलाके के लोगों को तस्करी जैसे कामों से जुड़ने से रोकने के लिए की गई है। इस कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कम्प है।

कोडमदेसर मार्ग पर हादसे में दो घायल

बीकानेर, (कासं)। कोडमदेसर मार्ग पर सोमवार रात सड़क हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचाया गया। दोनों का इलाज अभी चल रहा है। हादसा कैसे हुआ इस बारे में स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हुई है। घायलों को भाजपा नेता अशोक प्रजापत ने अपने साथियों के साथ पीबीएम अस्पताल पहुंचाया था।

अशोक प्रजापत ने बताया- सोमवार रात सवा बारह बजे के आसपास कोडमदेसर भैरूनाथ के दर्शन करके लौट रहे थे। इस दौरान कोडमदेसर मंदिर से थोड़ी दूरी पर दो व्यक्तियों घायल अवस्था में तड़प रहे थे। किसी अज्ञात वाहन या किसी पशु से टकराने की वजह से दुर्घटना हो गई थी। कुछ लोग 108 एम्बुलेंस के लिए प्रयास कर रहे थे और कुछ वीडियो बना रहे थे।

घायलों को आशुराम बोबरवाल, अर्जुन कुमावत और श्रवण बोबरवाल के साथ भीड़ से निकाला और गाड़ी में डालकर पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। दोनों के सिर से खून बह रहा था। हाथों, पैरों में भी गंभीर चोट लगी।

- घटना के बाद लोग घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बजाय वीडियो बनाने में व्यस्त थे
- भाजपा नेता ने घायलों को पीबीएम अस्पताल पहुंचाया

घायलों में एक अमरनाथ हर्ष और दूसरा पुरूषोत्तम छंगाणी है। हर्ष नाम होने के कारण एडवोकेट प्रेम नारायण हर्ष को रात को सूचना दी। जिन्होंने परिजनों को सूचना करवाई।

पुरूषोत्तम को उल्टियां हो रही थी और वह हाथ में फैक्चर होने के कारण दर्द से कहराता रहा। घटना के बाद लोग घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बजाय वीडियो बनाने में व्यस्त थे। भाजपा नेता अशोक प्रजापत ने बताया कि लोग या तो तमाशा देख रहे थे या फिर 108 एम्बुलेंस का इंतजार कर रहे थे।

बीकानेर-दिल्ली के लिए रोजाना फ्लाइट

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर-दिल्ली के पैसेंजर्स के लिए खुशखबरी। एलाइंस एयर की फ्लाइट अब सप्ताह में तीन की बजाय छह दिन दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। यात्रियों की बढ़ती हुई तादाद को देखते हुए कंपनी ने फ्लाइट को रविवार को छोड़कर सोमवार से शनिवार तक नियमित संचालित करने का फैसला किया है।

नाल एयरपोर्ट के निदेशक राजेंद्र सिंह बघेला ने बताया कि बीकानेर को बड़े शहरों से हवाई सेवा के जरिए जोड़ने को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कई कंपनियों की एयरलाइंस की बातचीत चल रही है। वर्तमान में चल रही फ्लाइट में 90 प्रतिशत पैसेंजर रोजाना आ-जा रहे हैं, जो अच्छा संकेत है। फ्लाइट सोमवार, बुधवार, शुक्रवार को दिल्ली से दोपहर 3:05 बजे रवाना होगी। शाम 4:30 बजे बीकानेर पहुंचेगी। वापसी की उड़ान बीकानेर से शाम 4:55 बजे भरेगी, जो शाम 5:55 बजे जयपुर पहुंचेगी। वहां से शाम 6:20 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी, जो शाम 7:25 बजे पहुंचेगी। ऐसे ही फ्लाइट मंगलवार, गुरुवार, शनिवार को जयपुर से दोपहर 1:05 बजे रवाना होगी। दोपहर 2:00 बजे बीकानेर पहुंचेगी। वापसी की उड़ान दोपहर 2:25 बजे बीकानेर से भरेगी जो 3:45 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

- एलाइंस एयर की फ्लाइट अब सप्ताह में तीन की बजाय छह दिन दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी

मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं

बीकानेर, (कासं)। मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत समस्त पात्र लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता गतिविधियों की शुरूआत मंगलवार को साइकिल रैली से होगी।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा स्वीप प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि मंगलवार प्रात: 8 बजे वृद्धजन भ्रमण पथ से साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेगी।

उन्होंने बताया कि साइकिल रैली में राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के साइकिल धावक शामिल होंगे। साइकिल रैली यहां से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के समीप स्थित गुरूदेव साइक्लिंग एकेडमी परिसर में समाप्त होगी।

सुमित गोदारा को झुंझुनूं सीट जीतने की जिम्मेदारी सौंपी

बीकानेर, (कासं)। विधानसभा उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बीकानेर के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल जहां सभी सातों सीटों के लिए स्टार प्रचारक है। वहीं राज्य के कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा को झुंझुनूं सीट जीतने का जिम्मा दिया गया है। बीकानेर के भाजपा विधायकों को भी सक्रिय किया गया है। पार्टी प्रवक्ता मनीष सोनी ने बताया कि बीकानेर से केन्द्रीय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल की रणनीति बन चुकी है। स्टार प्रचारक के रूप में उन्हें सभी सातों सीटों पर प्रचार करना है। मेघवाल सभी प्रत्याशियों के संपर्क में हैं। दलित वोटों को भाजपा की तरफ मोड़ने के लिए मेघवाल को विशेष जिम्मा मिला है।

- सभी सातों सीटों के लिए दलित वोटों को भाजपा की तरफ मोड़ने के लिए केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को विशेष जिम्मा मिला है

वहीं बीकानेर से राज्य के कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा झुंझुनं सीट पर जातिगत वोटों को भाजपा की तरफ मोड़ने की कोशिश में जुटे हैं। पिछले कई दिनों से गोदारा झुंझुनूं के भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं। टिकट वितरण से पहले और बाद में गोदारा की मुख्य भूमिका रही है।

उधर पार्टी ने भाजपा विधायकों को भी झुंझुनूं में ही सक्रिय किया है। बीकानेर पश्चिम के विधायक जेठानन्द व्यास को इसी विधानसभा में दौरा करने और स्थानीय प्रत्याशी के संपर्क में रहने के निर्देश मिल चुके हैं। व्यास इससे पहले जम्मू कश्मीर के चुनावों में भी प्रचार करने के लिए गए थे। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत को भी विधानसभा उप चुनाव की सीटों पर अपने स्तर पर प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं। उधर भाजपा के युवा नेता जतिन सहल को उप चुनाव में आईटी का जिम्मा दिया गया है। जतिन को झुंझुनूं का आईटी प्रभारी बनाया गया है। पिछले कई दिनों से सहल वहीं डेरा डाले हुए हैं। झुंझुनूं में आईटी के माध्यम से मतदाता तक पहुंचने का प्रयास हो रहा है।

18 हजार किलो संदिग्ध रंग मिले मसालों को सीज कर सैम्पल लिए

बीकानेर, (कासं)। दीपावली के त्यौहार से पहले केन्द्रीय खाद्य सुरक्षा दल द्वारा शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत बीकानेर के बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में मसाले के संदर्भ में बीकानेर की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

संयुक्त निदेशक डॉ एस.एन. धौलपुरिया के नेतृत्व में दल द्वारा लगभग 35 लाख रूपए बाजार कीमत के 18,000 किलो से ज्यादा संदिग्ध रंग मिले मसाले सीज करने के कार्रवाई की गई है। डॉ धौलपुरिया ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त इकबाल खान को प्राप्त इनपुट के आधार पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौर के निर्देशानुसार बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आर. के. इंडस्ट्रीज का औचक निरीक्षण किया गया। यहां लगभग 18,000 किलो संदिग्ध रंग मिले मसाले जिसमें 245 कट्टे लाल मिर्च, 200 कट्टे धनिया पाउडर तथा 1000 किलो हल्दी के पाए गए जिन्हें मौके पर ही सीज करने की कार्रवाई की गई।

मिलावट के खिलाफ अभियान में बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा दल ने आर. के. इंडस्ट्रीज में 18 हजार किलो संदिग्ध रंग मिले मसाले सीज किए।

उन्होंने कहा कि प्रथमदृष्टया मसाले में रंग मिलाकर इन्हें लाल पीला किया गया है। ये बेहद हानिकारक हो सकते हैं। सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जिले में लगातार बड़ी कार्रवाई खाद्य सुरक्षा के लिए की जा रही है। मसाले के संदर्भ में यह सबसे बड़ी कार्रवाई है। सीज करने से पहले मसाले के नमूने संग्रहित किए गए हैं जिन्हें जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजा जायेगा। उन्होंने कहा कि अगर यह मसाले लैब रिपोर्ट में अशुद्ध पाए जाते हैं तो फर्म के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। कार्रवाई दल में जयपुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, अमित शर्मा तथा देवेंद्र राणावत जबकि बीकानेर से श्रवण कुमार वर्मा शामिल थे।

- बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आर. के. इंडस्ट्रीज में की कार्रवाई

हत्या कर शव को नहर में फैंका

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के चूनावढ़ थाने में करीब एक सप्ताह पहले दर्ज गुमशुदगी के मामले में परिजनों ने हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया। मृतक के भाई का आरोप है कि आरोपियों ने उसके भाई की हत्या कर दी और इसके बाद शव को नहर में डाल दिया।

मृतक के भाई का कहना है कि आरोपियों और उसके भाई के बीच झगड़ा हुआ और आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी। इससे पहले आरोपियों ने उसके साथ शराब भी पी थी। चूनावढ़ एसएचओ राजीव रॉयल ने बताया कि चक 6 एचएच के महेंद्र पुत्र दानाराम की ओर से दर्ज मामले में कहा गया कि उसका भाई इंद्रजीत गांव महियांवाली के सुशील मेघवाल पुत्र बलराम, अमनदीप पुत्र कालूराम, अनिल पुत्र विनोद और राहुल के साथ गया था। महेंद्र का आरोप है कि 21 अक्टूबर को आरोपियों और इंद्रजीत ने गांव महियांवाली में साथ बैठकर शराब पी। आरोपियों और इंद्रजीत का झगड़ा हो गया। आरोपियों ने तैश में आकर मारपीट की।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2024/3987 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 25.10.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में चक 1 एफ छोटी मुरब्बा नं. 34 के किला नं. 9, 10 में माप 30 इन्दू 60 फीट, भूखण्ड संख्या 1721, होमलैण्ड सिटी, श्रीगंगानगर का पटटा संख्या 1691 दिनांक 09.01.2013 को श्री अंग्रेज सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह के नाम से जारी किया हुआ है। श्रीमती सरबती देवी पत्नी श्री रामप्रताप निवासी गांव नाथवाला, तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ द्वारा पंजीकृत तबादलानामा दिनांक 19.01.2023 की प्रति प्रस्तुत कर स्वामित्व के दस्तावेज एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पटटे का समर्पण कर लीज होल्ड से फ्री होल्ड पटटा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अत: उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं0 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

बच्चों को पढाई के साथ संस्कारवान भी बनाना जरूरी : दुलीचंद मीणा

बीकानेर, (कासं)। नालन्दा पब्लिक सी.सै. स्कूल की करूणा क्लब इकाई के द्वारा शाला के सभागार में एक दिवसीय मानवीय शिक्षा पर आधारित अन्तर विद्यालयी शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बीकानेर की सरकारी व निजी शिक्षण संस्थाओं के 20 से अधिक विद्यालयों के 80 शिक्षकों ने इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) दुलीचंद मीणा ने कहा कि सही अर्थ में वेदना के प्रति संवेदना पैदा करना ही करूणा है। हमें आज के बच्चों को पढाई के साथ-साथ संस्कारवान भी बनाना है। हमें बच्चों के ऊपर यह बोझ नहीं लादना है कि आपको टॉपर बनना है, हमें उन्हें सही इंसान बनाना है। अगर आदमी डॉक्टर, इंजीनियर या कोई और भी बड़ा आदमी बन जाए और उसमें मानवीय संवेदना नहीं है।

बड़ों के प्रति सम्मान नहीं है, गुरू के प्रति आदर नहीं है, अपनों से छोटों के प्रति दयाभाव नहीं है तो वह व्यक्ति व्यक्ति कहलाने के लायक नहीं है। हमे आज के बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नशे से दूर रखना होगा। मीणा ने बताया कि मेरे इतने लम्बे सेवा कार्यकाल में यह ऐसा पहला कार्यक्रम है कि जिसमें मैं अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा करूणा इंटरनेशनल बीकानेर के द्वारा यह कार्यक्रम 21वीं सदी की चुनौतियों की दृष्टि से अति प्रासंगिक है।

प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए करूणा इंटनेशनल के निदेशक जतनलाल दुग्गड़ ने कहा कि मानवीय शिक्षा या मुल्यपरक शिक्षा के समुचित प्रचार के लिए शिक्षक महत्वपूर्ण धुरी होता है। भावी पीढ़ियों में सद्गुणों के संस्कार संप्रेषित कर शिक्षक ही महानता के गुणों का समावेश करते हैं। आज का यह शिक्षक प्रशिक्षण शिविर निश्चय ही करूणा गतिविधियों के प्रचार प्रसार का सार्थक प्रयास होगा। प्रत्येक शिक्षक हजारों-हजारों व्यक्तियों व उनके व्यक्तित्वों का निर्माण करेंगे। द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुए ज्ञान विहार विश्वविद्यालय जयपुर के डीन प्रोफेसर टी.के. जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों व जीव दया तथा करूणा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

शिक्षक और विद्यार्थी जो एक दूसरे के बिना अधूरे है। वो इन करूणा के कार्यक्रमों के द्वारा हमारे संस्कारों और रीति रिवाजों से जोड़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। यह प्रयास एक सार्थक प्रयास है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए उपनिदेशक जनसंपर्क हरिशंकर आचार्य ने कहा कि यह मानवीय मूल्यों पर आधारित यह शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम मानवीय सेवा की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने में सार्थक सिद्ध होगा। विद्यार्थी जो सही मायनों में देश का भविष्य है। उन तक करूणा की यह ज्ञानोपयोगी सामग्री पहुंचेगी और देश का भविष्य सुन्दर सुदृढ़ और उज्ज्वल होगा। समापन सत्र में डॉ नमामी शंकर आचार्य ने कहा कि करूणा इंटरनेशनल का यह कार्य आज के लोग व्यवसायी हो गए है। प्रत्येक काम में पैसे को तव्वजो प्रकृति संस्कार व मां बाप से अधिक देने लगे है।

मानवीय शिक्षा पर आधारित विद्यालयी शिक्षक प्रशिक्षण शिविर को एडीएम (प्रशासन) दुलीचंद मीणा ने संबोधित किया।

- मानवीय शिक्षा पर आधारित विद्यालयी शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन
- बीकानेर की सरकारी व निजी शिक्षण संस्थाओं के 20 से अधिक विद्यालयों के 80 शिक्षकों ने भाग लिया

पानी-बिजली सुचारू आपूर्ति के निर्देश

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला कलेक्टर कानाराम की अध्यक्षता में सोमवार सुबह कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने दीपावली पर्व पर पानी-बिजली की सुचारू आपूर्ति, चिकित्सालयों में चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति और दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कृषि अधिकारी किसानों को खाद, पानी की उपलब्धता अनुसार बिजाई के लिए एडवायजरी जारी करें। मंडियों में समर्थन मूल्य पर खरीद प्रक्रिया में किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने मौसमी और मच्छर जनित बीमारियों से बचाव और जन जागरूकता के लिए सीएमएचओ और पीएमओ को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद शहर में नियमित फोगिंग कराएं और पानी भरे स्थानों में एमएलओ डलवाएं।

पटाखों की दुकानों वाले क्षेत्रों में आगजनी घटना रोकने के लिए फायर सेफ्टी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों में ई-फाइल सिस्टम से कार्य किया जा रहा है। फिर भी विभागीय उच्चाधिकारी नियमित रिव्यू करें। राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंम्बित प्रकरणों के संतुष्टिपूर्ण निस्तारण में भी गति आई है। इस दिशा में संवेदनशीलता से कार्य सम्पादित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर में गौवंश बेसहारा होकर सड़क व सार्वजनिक स्थानों पर देख जा सकते हैं।

सार-समाचार

कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

पाटन, (निसं)। डॉ. भीमराव अंबेडकर मानव कल्याण संस्थान के द्विवार्षिक चुनाव छात्रावास परिसर में संपन्न हुए। मतदान सुबह 10 से 4 बजे तक हुआ जिसमें मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। कार्यकारिणी में 9 सदस्य निर्वाचित हुए। 11 सदस्य संरक्षक मंडल ने सर्वसहमति से कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद पर रामजीलाल, उपाध्यक्ष जुगल किशोर पत्रकार, महासचिव हरफूल मरोड़िया, शिक्षा सचिव किशन गांवली, कोषाध्यक्ष अमर सिंह को बनाया गया। वहीं सदस्य सुभाष सिंघल, बाबूलाल किरोड़ीवाल, शंकर लाल सिहोडिया रतनलाल बनें। संरक्षक मंडल में पूर्व कॉलेज आयुक्त प्रो केआर सिलोलिया, पूर्व कॉलेज प्राचार्य प्रो बीडी वर्मा, एडवोकेट भानाराम, प्रो डॉ. देवीप्रसाद वर्मा, संस्था पूर्व अध्यक्ष सवाई राम चौल्डा, निर्मला देवी, पूर्व उपनिदेशक पशुपालन विभाग डॉ. जीएल लूनिया, संस्था पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अनिल वर्मा, शिवपाल भाटी, किशन लाल महरानियां, मदनलाल रसगनियां, पंकज महरानियाँ, बृजलाल कल्याणियाँ रहे। विजई कार्यकारिणी में निर्वाचित पदाधिकारियों सहित सदस्यों का माला पहना व मिठाई खिलाकर बधाई दी। मतदान स्थल पर पुलिस प्रशासन का भी सहयोग रहा। सभी पदाधिकारियों को संविधान की शपथ दिलाई गई। निर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि संस्थान में शिक्षा के प्रति नए नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। हमारी पहली प्राथमिकता बंद पड़ी कोचिंग को शुरू की जाएगी। संस्था के हित में होने वाले कार्यों को प्रमुखता से किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक स्तर पर संरक्षक कमेटी बनाई जाएगी, संस्था हितों में होने वाले कार्यों पर सहमति देकर पटल पर रखेंगे। इस दौरान पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र महरानियां, सुल्तानाराम मरोडिया, हंसराज किलानियां, कपिल देव, किशोर सिंघल, अमिताभ झालरा, नेमीचंद वर्मा, उमेश मुंडोतिया, सतपाल भारती सहित कई लोग मौजूद रहे।

गौशाला में गायों को खिलाया गुड

सादुलपुर, (निसं)। वीर शहीद हवलदार तेजवीर धीधवाल की तीसरी पुण्यतिथि पर गांव डोकवा में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सोमवार शाम चार बजे सामाजिक कार्यकर्ता एवं गोताखोर नरेन्द्र सांगवान ने बताया कि शहीद वीरांगना इंदिरा देवी ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पमाला पहनाकर श्रद्धांजलि दी। साथ ही श्रद्धांजलि सभा में शहीद की बेटी अंकिता व भाविका ने अपने पापा के चरणों में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहीद के चाचा भूतपूर्व सैनिक बलवीर धीधवाल, छोटे भाई आर्मी जवान धीर सिंह, ताऊ महावीर धीधवाल, सरपंच आजाद सहारण, संजय रणवा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गौताखोर नरेंद्र सांगवान, शीशराम जाखड, महेंद्र नेहरा, सोमवीर सरावग, प्रिंसिपल ईश्वर धींधवाल, बलवान फौजी व हरि सिंह प्रजापत इत्यादि ग्रामीणों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वीर शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए डोकवा की नवयुवक मंडल टीम ने शहीद जयप्रकाश कस्वां, गौशाला दुधवा खारा में शहीद की पुण्यतिथि पर ०1 क्विंटल 11 किलो अनाज व 51 किलो गुड तथा 11सौ रुपए एक दिन एंबुलेंस का खर्चा दिया व श्रद्धांजलि अर्पित की। गौशाला में शहीद की बेटी अंकिता ने गायों को गुड खिलाकर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर प्रधान रमेश धीधवाल नरेंद्र सांगवान, बिंटू धीधंवाल, विकु फौजी रतनपुरा, अनिल नाई, अनिल पूनिया भामासी, तेजपाल जाखड, मोनू धीधवाल व नरेंद्र महला इत्यादि ने गौशाला में गायों को गुड खिलाकर श्रद्धांजलि दी।

मृतक आश्रित को सौंपा दो लाख का चेक

चूरू, (कासं.)। निकटवर्ती ग्राम सहजूसर में भारतीय स्टेट बैंक शाखा परिसर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतक आश्रित को सोमवार को सहायक महाप्रबंधक मूलचंद मीणा ने 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। शाखा प्रबंधक दिनेश तंवर ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में खाता धारक आबिद खान की सामान्य मृत्यु होने पर मृतक आश्रित उसकी पत्नी सबीना बानो को दो लाख का चेक प्रदान किया गया। इस दौरान सहायक महाप्रबंधक मूलचंद मीणा ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में खाता खुलाने पर प्रधानमंत्री सड़क सुरक्षा बीमा योजना में प्रत्येक खाताधारक को 20 रूपये वार्षिक व प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 434 रूपये वार्षिक जमा कराने पर प्रत्येक खाताधारक को इस बीमा क्लेम का लाभ मिलता है।

मुख्यमंत्री का जताया आभार

चूरू, (कासं.)। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर विधायक हरलाल सहारण ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके चूरू के लिए 16.7 करोड़ रुपए स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। यहां विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि आगामी तीन वर्षों के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व खुद उन्होंने प्रयास कर कचरा संठाहण एवं विभिन्न विकास कार्यों के लिए सरकार से आग्रह किया था, जिस पर राज्य सरकार ने 16.7 करोड़ रुपए पास कर चूरू के लिए दीपावली पर सौगात दी है। सहारण ने कहा कि वर्तमान सभापति पिछले पांच साल तक पद पर रहे और इस दौरान लगभग चार वर्षों तक कांठोस का शासन रहा, परन्तु उन्होंने कभी भी इस प्रकार के विकास कार्यों के बारे में चर्चा नहीं की। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही चूरू में कचरा संठाहण कर उससे खाद बनाकर किसानों को दी जायेगी। नगरपरिषद में नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल ने इस राशि के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड व विधायक हरलाल सहारण का आभार जताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से चूरू को यह सौगात मिली है। प्रधान दीपचन्द राहड़ व उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत व दीनदयाल सैनी, जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच, सह संयोजक राजीव शर्मा, सीपी शर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बसावतिया का अध्यक्ष पद पर मनोनयन

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में सामाजिक सरोकार और धार्मिक क्षेत्र में अलग ही पहचान रखने वाले महेश बसावतिया को सनातन धर्म उत्थान समिति का राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति संगठन के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पांडेय की अनुशंसा पर राष्ट्रीय नियुक्ति प्रभारी अतुल सिंह ने की। बसावतिया के मनोनयन पर जिले में खुशी की लहर है व बधाइयों का तांता लगा हुआ है। आपको बता दें कि बसावतिया ने सामाजिक सरोकार व धार्मिक क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। यदि निस्वार्थ भाव से सनातन धर्म के पुरोधा साधु संतों का आदर सत्कार व उनके द्वारा धार्मिक आयोजन में विशेष भूमिका निभाने में महेश बसावतिया का नाम अठिम पंक्ति में आता है।

शिकार करने से पहले ही चार शिकारी दबोचे, 8 बंदूक बरामद

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ उप वन संरक्षक की टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार शिकारियों को शिकार करने से पहले ही पकड़ लिया।

यह कार्रवाई 24 अक्टूबर की रात को गणेशगढ़ से उमेवाला की रोही में की गई। आरोपियों के पास से एक बंदूक भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों से वन अधिनियम के तहत एक लाख रूपए का जुर्माना वसूल किया गया है। बंदूक बरामदगी का आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

श्रीगंगानगर के उपवन संरक्षक दिलीप सिंह राठौड़ और हनुमानगढ़ के उपवन संरक्षक सुरेश कुमार आबूसरिया ने बताया कि जबर खान पुत्र असगर अली निवासी 9 एलएलडब्लयू तथा बरकत अली पुत्र सावन खान निवासी 3 केकेडब्लयू को रात को मौके से ही पकड़ा गया। इनके साथी फरार हुए मुनाफ खान पुत्र रहमत अली निवासी 3 केकेडब्लयू एवं शौकत अली पुत्र फतेह मोहम्मद निवासी 9 एलएलडब्लयू को अगले दिन गिरफ्तार कर एक टोपीदार बंदूक जब्त की गई।

विशाल गोदारा रेंजर पीलीबंगा ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9/51 के तहत वन्य जीव नीलगाय के शिकार के प्रयास में मुकदमा दर्ज कर एक लाख रूपए जुर्माना वसूला है। जब्त टोपीदार बंदूक का आर्म्स एक्ट में पीलीबंगा थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जा रहा है। वनपाल राजीव को मुखबिर से सूचना मिली थी। फिर संयुक्त टीम गठित की। उपवन संरक्षक दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि वनपाल राजीव बिश्नोई को मुखबिर से सूचना मिली कि गणेशगढ़ की रोही में चार शिकारी वन्य जीवों का शिकार करने की फिराक में घूम रहे हैं।

इस पर तुरंत ही क्षेत्रीय वन अधिकारी संतोष यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर वनपाल राजीव, सहायक वनपाल मदनलाल, वनरक्षक गौरीशंकर, पवन कुमार, डूंगरलाल, रामप्रसाद गश्त को रवाना हुए।

इस दौरान शिकारियों के उमेवाला रोही में होने की सूचना पर पीलीबंगा के रेंजर विशाल गोदारा सूचना पर मौके पर पहुंचे। शिकारियों की उमेवाली रोही में तलाश शुरू की। तब दोनों जिलों के वन मंडल की संयुक्त टीम ने चार संदिग्ध व्यक्तियों का पीछा किया। दो को काबू कर लिया गया। संयुक्त टीम ने रात को पैदल गश्त करते हुए चारों आरोपियों को मौके पर पकड़ने को घेराबंदी की लेकिन रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दो आरोपी फरार हो जाने में कामयाब रहे। मौके पर पकड़े गए दोनों आरोपियों ने फरार हुए आरोपियों के बारे में बताया। मौके से फरार आरोपी मुनाफ खान निवासी 3 केकेडब्लयू एवं शौकत अली निवासी 9 एलएलडब्लयू को गिरफ्तार कर एक टोपीदार बंदूक जब्त की गई।

- दो आरोपी मौके से रात को अंधेरे में फरार हो गए थे
- 20 दिन में वनपाल ने 8 बंदूकें बरामद की

मानक लेखन प्रतियोगिता आयोजित

चूरू, (कासं.)। जिला मुख्यालय पर स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चूरू में भारतीय मानक ब्यूरो जयपुर शाखा के तत्वाधान में गठित मानक क्लब की इस सत्र की द्वितीय गतिविधि मानक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्राचार्य कृष्ण सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अर्पिता सोनी अतिरिक्त जिला कलेक्टर चूरू ने समस्त प्रतिभागियों को विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में पारितोषिक दिए।

मानक क्लब की मेंटर रसायन विज्ञान शिक्षिका सीमा शर्मा ने मानक क्लब के उद्देश्य, भारतीय मानक ब्यूरो के आई एस आई मार्क, हॉलमार्क एवं उत्पादों की शुद्धता, मानकीकरण एवं गुणवत्ता की पहचान तथा मानक लेखन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। मानक लेखन प्रतियोगिता में मानक क्लब के सभी 60 विद्यार्थियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वंशिका व ऋतु, द्वितीय स्थान निकिता व पलक, तृतीय स्थान भावना व आरती तथा चतुर्थ स्थान यश व जिग्नेश ने प्राप्त किया।

अक्षिता,जतिन व हर्षिता का आरजेएस में चयन

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर के पुरानी आबादी के रहने वाले जतिन कड़ेला, टांटिया यूनिवर्सिटी में फाइव ईयर लॉ की स्टूडेंट हर्षिता चावला और श्रीकरणपुर की अक्षिता अवस्थी ने पहले ही प्रयास में राजस्थान ज्यूडिशियल सर्विसेज यानी आरजेएस की परीक्षा में सफलता हासिल की है। तीनों की सफलता की जानकारी मिलने के साथ ही उनके घरों में उत्सव का माहौल हो गया।

आरजेएस का रिजल्ट जारी किया गया। इसमें 97 वीं रैंक पर चयनित हर्षिता चावला ने बताया का उसके परिवार में अब से पहले कोई सरकारी सेवा में नहीं है। यह कड़ी मेहनत और भगवान के आशीर्वाद का ही परिणाम रहा कि उसे यह सफलता मिली। उसने बताया कि उसे न्यायिक सेवा में जाने की इच्छा ताकि पीड़ित वर्ग को न्याय मिल सके। हर्षिता ने बताया कि उसके पिता हरबंसलाल चावला एक प्राइवेट कंपनी में डिजिटल मार्केटिंग से जुड़ा काम देखते हैं। जबकि मां हाउस वाइफ हैं। हर्षिता ने बताया कि उसने न्यायिक अधिकारी बनने के इरादे से लॉ के तीसरे साल में तैयारी शुरू की। हर दिन पांच से छह घंटे तक पढ़ाई की। इसके बाद जब परीक्षा का समय आया तो डेली स्टडी टाइम बढ़ा दिया। इसी का परिणाम रहा कि पहले ही अटैम्प में उसे सफलता मिली। बाइस साल की हर्षिता को इतनी कम उम्र में सफलता मिलने से परिवार में बेहद खुशी का माहौल है।

इसी परीक्षा में 202 वीं रैंक पर पहले ही प्रयास में चुने गए 21 साल के जतिन सफलता के लिए पिता के मागदर्शन को कारण बताते हैं। वे बताते हैं कि उनके पिता ने उन्हें लगातार मार्गदर्शन दिया। पिता एडवोकेट हैं, ऐसे में उन्होंने लॉ की बारीकियां समझाई। नेशनल लॉ युनिवर्सिटी जोधपुर से फाइव इन्यर लॉ करने के पांचवें साल में आरजेएस की तैयारी करने का विचार आया। शुरू में तीन से चार घंटे डेली स्टडी की लेकिन बाद में टाइम बढ़ा दिया।

- तीनों पहले ही प्रयास में सफल हुए

नामांकन पत्रों की जांच पूरी, दो प्रत्याशियों ने लिए नाम वापिस

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में प्रस्तावित उप चुनावों को लेकर दाखिल किए नामांकन पत्रों की सोमवार को जांच हुई। जांच के बाद रिटायर्ड आईएएस अशफाक हुसैन द्वारा बसपा से दाखिल किया नामांकन टिकट के अभाव में निरस्त कर दिया गया। लेकिन सोमवार को ही अशफाक हुसैन ने अपना निर्दलीय नामांकन भी वापिस लेकर चुनाव मैदान छोड़ दिया है।

रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव ने बताया कि सोमवार को नामांकन पत्रों की जांच में 14 उम्मीदवारों के 20 नामांकन पत्र सही मिले। सिर्फ बसपा से नामांकन टिकट के अभाव में निरस्त किया गया। हवाईसिंह यादव ने बताया कि 30 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे तक नामांकन वापिस लिए जा सकेंगे। इसके तुरंत बाद चुनाव चिह्न का आवंटन किया जाएगा। इधर, निर्दलीय अशफाक हुसैन के अलावा पीपुल्स ठीन पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र सिंह ने भी अपना नामांकन भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू के समर्थन में वापिस ले लिया। उन्होंने अपना समर्थन राजेंद्र भांबू को दिया है। अब चुनाव मैदान में 12 प्रत्याशी शेष रहे है। आपको बता दें कि रिटायर्ड आईएएस अशफाक हुसैन ने बसपा से और निर्दलीय, दो नामांकन दाखिल किए थे। सोमवार को जांच में उनका बसपा से भरा गया नामांकन टिकट ना होने से निरस्त हो गया। जबकि निर्दलीय नामांकन उन्होंने मुस्लिम महापंचायत में नाम वापसी की घोषणा के बाद वापिस ले लिया। अभी आने वाले दो दिनों में नामांकन वापिस लेने वालों पर सबकी नजर रहेगी। वहीं भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू के समर्थन में पहले बबलू चौधरी और डॉ. कमलचंद सैनी का नामांकन दाखिल नहीं करना और पीपुल्स ग्रीन पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र सिंह का समर्थन देना। भाजपा के लिए किसी सुखद खबर से कम नहीं है।

दीपावली एवं छठ पूजा को लेकर रेलवे स्टेशन, ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाई

बीकानेर, (कासं)। मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना से सबक लेते हुए रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने बीकानेर रेलवे स्टेशन पर सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान डॉग स्क्वायड की मदद भी ली गई। आगामी दिनों में दीपावली,छठ पर्व त्यौहारों भी है ऐसे में रेलवे स्टेशन पर भीड़ का दबाव बढ़ने लगा है।

यात्रियों की इस भीड़ के चलते भगदड़ और अन्य हादसों की संभावना को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। आरपीएफ ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौकसी बढ़ा दी है और विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं ताकि त्यौहारी सीजन में सभी का सफर सुरक्षित और सुगम रहे।

आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षित यातायात बनाए रखने के लिए आरपीएफ के जवान विशेष सतर्कता बरत रहे हैं। बीकानेर रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त बल तैनात किया गया है, जो प्लेटफार्मों और ट्रेन के प्रवेश द्वारों पर निगरानी रख रहे हैं। साथ ही, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्यवाही की जा सके। इस दौरान भीड़ को सुव्यवस्थित ढंग से नियंत्रित करने के लिए प्लेटफार्मों पर अतिरिक्त कर्मचारियों की भी नियुक्ति की गई है। यात्रियों को सुरक्षित तरीके से ट्रेन में चढ़ने-उतरने में सहायता करने के साथ ही उनके सामान की सुरक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। आरपीएफ द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम का भी इस्तेमाल किया जा रहा है ताकि यात्रियों को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश समय-समय पर दिए जा सकें।

रोजगार शिविर में बीकानेर के 789 बेरोजगार आशार्थियों का प्रारंभिक चयन

हनुमानगढ़, (कासं)। युवाओं को रोजगार देने, स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 28 अक्टूबर को जंक्शन स्थित सिविल लाइन सामुदायिक भवन में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में एक हजार से अधिक आशार्थियों ने हिस्सा लिया। जिला कलेक्टर कानाराम ने रोजगार शिविर का अवलोकन किया। जिला कलेक्टर ने प्रत्येक स्टॉल पर मौजूद कंपनी प्रतिनिधियों, नियोक्ताओं और आशार्थियों से संवाद किया। जिला रोजगार अधिकारी विनोद गोदारा ने बताया कि शिविर में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के 14 संस्थानों ने हिस्सा लिया। शिविर में निजी क्षेत्र की कंपनियों, फैक्ट्रियों और संस्थानों ने 208 आशार्थियों, प्रशिक्षण संस्थान ने 323 एवं स्वरोजगार हेतु 258 बेरोजगार आशार्थियों का प्रारंभिक चयन किया। इन 789 बेरोजगार आशार्थियों का प्रशिक्षण, स्वरोजगार हेतु ऋण, निजी संस्थानों द्वारा रोजगार हेतु अंतिम चयन किया जायेगा। गोदारा ने कहा कि शिविर में रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास हेतु विभिन्न संस्थाएं और ट्रेनिंग पार्टनर हिस्सा ले रहे हैं। विभाग का कार्य युवाओं और संस्थाओं को एक मंच प्रदान कर संवाद स्थापित करना है।

इस वर्ष और भी रोजगार शिविर आयोजित किए जायेंगे, जिससे युवा लाभान्वित हो। रोजगार सहायता शिविर में हनुमानगढ़ विधायक गणेशराज बसंल ने बेरोजगार आशार्थियों को शिविर में रोजगार मिलने पर शुभकामनाएं दी।

जनप्रतिनिधि अमित सहू ने राज्य सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा युवाओं को विभिन्न क्षेत्र में नियुक्तियों के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। युवाओं के भविष्य पर कुठाराघात करने वालों के खिलाफ एसआईटी के माध्यम से लगातार कार्रवाई की जा रही है। शिविर में जिले के उद्योगपति शिवरतन खड़गावत ने अपने अनुभव साझा किए।

हनुमानगढ़ कलेक्टर कानाराम ने जंक्शन स्थित सिविल लाइन सामुदायिक भवन में आयोजित रोजगार शिविर का अवलोकन किया।

- शिविर में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के 14 संस्थानों ने भाग लिया

माहिर बीकानेरी की गज़लें अवाम को प्रभावित करती है : जोशी

बीकानेर, (कासं)। संवेदना के स्तर पर माहिर बीकानेरी की गज़लें अवाम को प्रभावित करती है। क्योंकि इनकी गज़लें समसामयिक विषयों पर वैचारिक धरातल तैयार करती है और इनकी गजलों में आम आदमी की पीड़ा बेबसी और तकलीफें प्रकट होती है।

यह कहना था साहित्यकार और केन्द्रीय साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सदस्य डॉक्टर बृजरतन जोशी का जो अस्मत अमीन सभागार में बीकानेर के वरिष्ठ शायर गुलाम मोहियुद्दीन माहिर की हाल ही प्रकाशित कृति लम्स पर अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे। सोशल प्रोग्रेसिव सोसायटी बीकानेर के अध्यक्ष नदीम अहमद नदीम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि माहिर शायरी की शानदार परंपरा का निर्वहन करने वाले उस्ताद शायर हैं। अपने दादा हजरत बेदिल और पिता मोहम्मद अयूब सालिक के साहित्यिक संस्कारों को आत्मसात किया।

नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। मुख्य अतिथि शायर रवि शुक्ला ने कहा कि गुलाम मोहियुद्दीन माहिर की गजलों को पढ़कर लगता है कि आप इंसानियत को गहराई तक बेहतर समझ सकते हैं। तभी तो इनके अशआर पढ़कर आम आदमी आश्चर्य चकित रह जाता है कि गूढ़ बातों को कितनी सहजता से संप्रेषित कर देते हैं। संप्रेषणीयता का यह गुण माहिर को दीगर शायरों से अलग करता है। लम्स पर पत्र वाचन करते हुए युवा साहित्यकार संजय जनागल ने कहा की गुलाम मोहियुद्दीन माहिर ऐसे शायर है जो समाज की संगतियों को उजागर तो करते हैं।

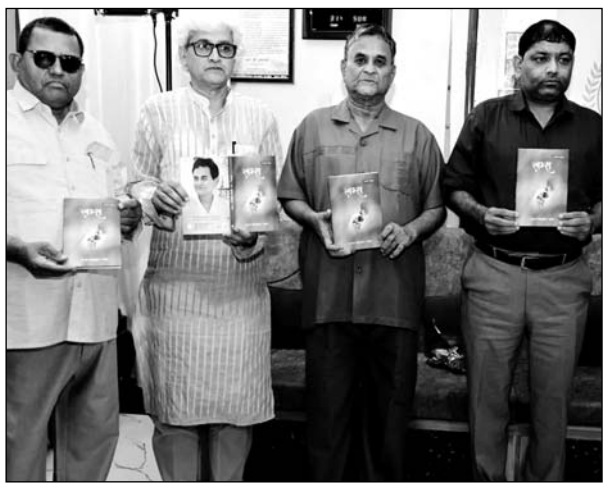

गज़ल संग्रह 'लम्स' का विमोचन डॉ बृजरतन जोशी ने किया।

भारत के स्टार बल्लेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में टर्निंग पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है जिससे उनके घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। - **हरभजन सिंह**

भारतीय गेंदबाज, भारतीय बल्लेबाजों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

गैरी कर्स्टन

पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ मतभेद पैदा होने के कारण अपनी नियुक्ति के छह महीने के अंदर ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारत की 2011 में वनडे विश्व कप की चैंपियन टीम के कोच रहे 56 वर्षीय कर्स्टन को पीसीबी ने इस साल अप्रैल के आखिर में मुख्य कोच नियुक्त किया था। पीसीबी ने एक्स पर लिखा,"पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आज घोषणा की कि जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल के एक मैच में सर्वाधिक गोल का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया और स्वीजरलैंड के बीच (7-5) खेले गये मैच के दौरान हुआ।

चोटिल जाकेर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश के दूसरे टेस्ट से बाहर

चटगांव, 28 अक्टूबर। विकेटकीपर बल्लेबाज जाकेर अली चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बंगलादेश के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पर महिदुल इस्लाम अंकोन को टीम में जगह दी गई है। जाकेर को रविवार को चटगाँव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में प्रशिक्षण के दौरान चोट लगी थी। बंगलादेश के फिजियो बैजदुल इस्लाम खान ने कहा, जाकेर अली को कल बल्लेबाजी अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। उन्हें पहले भी चोट लग चुकी है उनके पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें ठीक होने में कुछ समय लग सकता है। उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। जाकेर अली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बंगलादेश की दूसरी पारी में टेस्ट पर्दापण करते हुए अर्धशतक बनाया था। जाकेर की जगह महिदुल इस्लाम को टीम में जगह दी गई है। महिदुल ने पिछले सप्ताह सिलहट डिवीजन के खिलाफ 118 रन बनाकर अच्छी फॉर्म में हैं।

राजस्थान-गुजरात रणजी मैच

राजस्थान के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा की घातक गेंदबाजी

जयपुर, 28 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - गुजरात रणजी मैच के तीसरे दिन मैच रोमांचक मोड़ पर।

गुजरात दूसरी पारी 129/4

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक गुजरात ने अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए थे।राजस्थान के गेंदबाजअनिकेत चौधरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए गुजरात टीम के सलामी बल्लेबाजों को टीम के 15 रन के स्कोर परपेवेलियनलौटा दिया।

राजस्थान के गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के सामने शुरूआतीझटकों के बाद गुजरात टीम ने अपनी दूसरी पारी में संभल कर खेलते हुए तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए थे।

लक्ष्मण दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के कोच

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया के कोच बनाए गए हैं। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को ऑस्ट्रेलिया दौर पर जाना है। ऐसे में लक्ष्मण को वाइट बॉल टीम का कोच बनाया गया है, भारतीय टीम को अगले महीने साउथ अफ्रीका दौरे पर जाना है। यह सीरीज 8 नवंबर से खेली जाएगी।

लक्ष्मण के साथ नेशनल क्रिकेट अकादमी से जुड़े साईराज बहुतुले, ऋषिकेश कानिटकर और सुभादीप घोष सपोर्टिंग स्टाफ के तौर पर जाएंगे। बहुतुले हाल ही में इमर्जिंग एशिया कप के लिए इंडिया-ए के मुख्य कोच थे। वहीं, कानिटकर बैटिंग कोच और सुभादीप घोष फील्डिंग कोच थे। साउथ अफ्रीका के लिए टीम 4 नवंबर के आसपास रवाना होगी। भारत 8, 10, 13 और 15 नवंबर को क्रमश: डरबन, गेबेरा, सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में चारट टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। ने 25 अक्टूबर (शुक्रवार) को चार टी-20 मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुआई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैशाक, आवेश खान, यश दयाल।

पुणे टेस्ट में हार के लिए बैटर दोषी : मांजरेकर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने पुणे में दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड से मिली हार के लिए भारतीय बल्लेबाजों को जिम्मेदार माना है। साथ ही उन्होंने सरफराज खान से पहले वॉशिंगटन सुंदर को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट करने के लिए कप्तान रोहित शर्मा की आलोचना की है। पुणे टेस्ट में भारत को हराने के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है और सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। भारत को 12 साल बाद घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। संजय ने क्रिकेट की वेबसाइट क्रिकइंफो से पुणे टेस्ट में भारतीय हार के वजहों पर बातचीत की।

पूरन, मयंक और विश्नोई को रिटेन कर सकती है

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स, कैरेबियन विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन, भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव और स्पिनर रवि बिश्नोई को रिटेन कर सकती है।

सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से माफी : शमी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने प्रशंसकों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से माफी मांगी है क्योंकि बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि वह अभी तक मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं। शमी ने सर्जरी करवाने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना 'रिहैबिलिटेशन' पूरा किया। लेकिन उनके घुटनों में सूजन के कारण उनकी वापसी की योजना में रूकावट आई।

हालांकि शमी ने हाल में घोषणा की थी कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। शमी ने इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रेनिंग का एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। इस 34 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, "मैं प्रयास कर रहा हूं और दिन-प्रतिदिन अपनी गेंदबाजी फिटनेस में सुधार कर रहा हूं। मैच के लिए तैयार होने और घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा। सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से भी माफी मांगता हूं। लेकिन बहुत जल्द मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हूं, आप सभी को प्यार। शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रन फोर यूनिटी को दिखाएंगे हरी झंडी

जयपुर, 28 अक्टूबर। लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश में 29 अक्टूबर को रन फोर यूनिटी दौड का आयोजन किया जा रहा है। इसी कडी में मंगलवार को गुलाबी नगरी में भी इसका आयोजन होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रात: 07:00 बजे अमर जवान ज्योति से हरी झंडी दिखाकर इस दौड को रवाना करेगें।

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि रन फोर यूनिटी दौड के अवसर पर आम जनों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है। इस दौड में अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों सहित प्रशिक्षकगण, विभिन्न रनर्स क्लब, सामाजिक संघटनों के प्रतिनिधि, स्कूल कॉलेजो के छात्र-छात्राए भाग लेगीं। उन्होने बताया कि रन फोर यूनिटी दौड सवाई मानसिंह स्टेडियम से प्रारम्भ होकर विधानसभा, नगर निगम, अर्जुन गेट, रामबाग सर्किल और अम्बेडकर सर्किल से होते हुए वापिस सवाई मानसिंह स्टेडियम के 5 नम्बर गेट पर सम्पन्न होगी।

युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन ने सोमवार की सायं को तैयारियों का जायजा लिया। डॉ. पवन ने इस कार्यक्रम से जुडें अधिकारियों और कर्मचारियों को तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगर निगम जयपुर ग्रेटर के डिप्टी कमिश्नर प्रियवरित सिंह चारण सहित खेल परिषद के अधिकारी उपस्थित थे।

// राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ //

राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी

केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे

जयपुर, 28 अक्टूबर। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ ने सोमवार को सत्र 2024-25 की सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी कर दिया। इन प्रतियोगिताओं में केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकते है। जिनके पास आरएच-पिन नंबर होगा। जिन खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है वे खिलाड़ी राज्य हैंडबॉल संघ की वेबसाइट पर लॉगिन कर रजिस्टर्ड करे।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 29वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन जालोर में 14 से 17 नवंबर तक होगा। इसमें 01.01.2010 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते है। इसी प्रकार 41वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन चित्तौड़गढ़ में 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक होगा। इसमें 01.01.2005 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते है।

उन्होंने बताया कि 47वी राजस्थान राज्य सीनियर महिला हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन जय भवानी हैंडबॉल अकादमी द्वारा श्रीगंगानगर में 6 से 9 दिसंबर तक किया जाएगा। जबकि राज्य सीनियर पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बारां में 14 से 17 दिसंबर तक किया जायेगा। यश प्रताप सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के दौरान ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिये राज्य के संभावितों का चयन भी किया जायेगा।

राजधानी

'राइजिंग राजस्थान' के ब्रांड एम्बेसडर हैं स्थानीय उद्यमी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्यमी एवं व्यापारी राइजिंग राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर हैं। वे देश के कई राज्यों में कार्यरत प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों से संपर्क कर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करें, ताकि वे अपना औद्योगिक कौशल अपनी मातृभूमि पर दिखा सके।

- **मुख्यमंत्री ने व्यापारियों व उद्यमियों से संवाद करते हुए कहा कि, "प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क कर प्रदेश में निवेश लाएं'**
- **मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि उद्योगों को पर्याप्त बिजली और पानी की सुविधा मिलेगी**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने निवास पर 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के संबंध में स्थानीय औद्योगिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाली 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के संबंध में स्थानीय औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय उद्यमी एवं उनके संगठनों का व्यापक नेटवर्क आगामी राइजिंग राजस्थान समिट की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस नेटवर्क का उपयोग करते हुए ये संगठन अपनी शाखाओं के माध्यम से आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, आसाम, छत्तीसगढ, पश्चिम बंगाल, उडीसा, झारखंड एवं बिहार में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करें और उन्हें निवेश करने के लिए आकर्षित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वोकल फोर लोकल पर विशेष रूप से ध्यान देने के साथ ही 'एक जिला, एक उत्पाद नीति' भी लागू करने जा रही है। इससे स्थानीय उद्यिमयों की आर्थिक प्रगति होगी और रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विगत 10 महीने के कार्यकाल में एक रोडमैप के तहत बिजली एवं पानी के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया है। राज्य सरकार ने बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जिससे हम प्रदेश को 2027 तक ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बना सकेंगे। राजस्थान बिजली खरीदेगा नहीं, बल्कि बेचेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना एवं यमुना जल समझौता कर हमने प्रदेश में पानी की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। बिजली और पानी की उपलब्धता हमारी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं, इसी से प्रदेश औद्योगिक विकास के पथ पर निरंतर गतिमान होगा।

बैठक में उद्योगपतियों एवं व्यापारियों ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट को सफल बनाने के लिए स्थानीय व्यापारिक संगठन राज्य सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। प्रदेश में निवेश लाने के लिए व्यापारिक संगठनों की देशभर में फैली शाखाएं सक्रिय रूप से कार्य करेगी। उन्होंने पर्यटन, कृषि, शिक्षा, खनन, आवासन, हस्तशिल्प, मार्बल, अक्षय ऊर्जा, टैक्सटाइल्स, इलेक्ट्रोनिक, जेम्स एंड ज्वैलरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश से संबंधित पर अपने सुझाव भी मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किए। क्रेडाई के चेयरमैन गोपाल गुप्ता एवं संरक्षक अनुराग शर्मा, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष घनश्याम ओझा, फोर्टी के कार्यकारी निदेशक अरूण अग्रवाल, जीनस पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के चेयरमैन आई सी अग्रवाल, प्रबंध निदेशक आरएमसी जेम्स निर्मल बरड़िया जयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष श्याम अग्रवाल सहित प्रमुख उद्योगपति बैठक में उपस्थित थे।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर सेवानिवृत

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि प्रत्येक कार्य महत्वपूर्ण होता है। जिस व्यक्ति को जो जिम्मेदारियां दी जाये, उसे उस दायित्वों का निर्वहन निष्ठा से करना चाहिए। इसी से व्यक्ति और संस्था दोनों की छवि का प्रदर्शन होता है। देवनानी सोमवार को यहां विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय की गरीमा को बनाये रखने का दायित्व यहां कार्य करने वाले प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का है। समारोह में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मार्शल का कार्य विशेष प्रकृति का होता है। मार्शल चौधरी ने 24 वर्ष तक इस पद पर रहकर विधान सभा के सुरक्षा दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन किया है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधान सभा में कार्य करने वाला प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी भाग्यशाली है, जिन्हें ऐसे स्थल पर राजकीय सेवा करने का मौका मिला है। समारोह को सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, विधान सभा सचिवालय के कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधान सभा के अधिकारीगण एवं कर्मचारी मौजूद थे।

- **जिम्मेदारियों का निष्ठा से दायित्व निर्वहन करें : वासुदेव देवनानी**
- **समारोह में नेता प्रतिपक्ष जूली व संसदीय कार्य मंत्री पटेल भी हुए शामिल**

राजस्थान विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर की सेवानिवृत्ति पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया।

प्लेसमेंट एजेंसी से लगे संविदा कर्मियों को हटाने पर रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग में प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए विभिन्न पदों पर लगे संविदा कर्मियों को हटाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, निदेशक जन स्वास्थ्य और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ ने यह आदेश सौरभ शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

उपचुनाव में 11 नामांकन पत्र रद्द

जयपुर । राजस्थान में उपचुनाव के लिए 7 विधानसभा क्षेत्रों में अभ्यर्थियों के नामांकन-पत्रों की सोमवार को संवीक्षा हुई। 25 अक्टूबर तक 94 अभ्यर्थियों ने कुल 118 नामांकन-पत्र प्रस्तुत किए थे। संवीक्षा में कुल 11 नामांकन-पत्र रद्द हुए हैं। नामांकन-पत्र वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि संवीक्षा के दौरान दौसा विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 4 नामांकन-पत्र रद्द हुए हैं। खींवसर और देवली-उनियारा में 2-2 तथा झुंझुनू, चौरासी और सलूम्बर में 1-1 नामांकन रद्द हुए हैं। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कोई भी नामांकन-पत्र रद्द नहीं हुआ है। इस प्रकार, कुल 11 नामांकन-पत्र रद्द हुए हैं, जिससे 10 अभ्यर्थियों की अभ्यर्थना समाप्त हो गई है। महाजन के अनुसार, 7 विधानसभा क्षेत्रों में संवीक्षा के बाद अभ्यर्थियों की संख्या 84 रह गई है।

आयुर्वेद निदेशक पेश होकर बताएं कि "आदेश की पालना क्यों नहीं की?"

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु 60 साल से बढ़ाकर 62 साल करने के मामले में दिए आदेश की पालना नहीं करने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने आयुर्वेद निदेशक को हाजिर होकर बताने को कहा है कि आदेश की पालना क्यों नहीं की गई। हालांकि अदालत ने कहा है कि यदि दो सप्ताह में आदेश की पालना कर ली जाती है तो निदेशक को अदालत में पेश होने की जरुरत नहीं है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. महेन्द्र गुप्ता व अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता एनके गर्ग ने बताया हाईकोर्ट ने 13 जुलाई 2022 को आदेश जारी कर आयुर्वेद चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु 60 से बढ़ाकर 62 साल कर दी थी। इस पर राज्य सरकार की ओर से इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने गत 30 जनवरी को हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की एसएलपी खारिज कर दी।

'कांग्रेस विधायक को देखकर बजट देती थी, भाजपा ने सब जगह विकास कार्य कराये'

भाजपा की कार्यशाला में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भाजपा में ''राष्ट्र प्रथम'' नीति पर कार्य होता है

भाजपा प्रदेश कार्यालय पर संगठन पर्व सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रदेश कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित किया।

- सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि देश भर में भाजपा के 10 करोड़ सदस्यों में से 61 फीसदी 35 साल से कम उम्र के हैं। जो दर्शाता है कि प्रधानमंत्री की रीति और नीति में युवा विश्वास जता रहा है।
- कार्यशाला में सांगोद, सांगानेर, विद्याधर नगर, आदर्श नगर और उदयपुर शहर के संयोजक को सम्मानित किया गया।

जयपुर, 28 अक्टूबर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति तथा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व, सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रदेश कार्यशाला आयोजित की गई। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, प्रदेश चुनाव प्रभारी नारायण पंचारिया, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी और सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत के मुख्य अतिथ्य में 2 सत्रों में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, संगठन के कार्यों को गति देते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने का आ ान किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा ही ''राष्ट्र प्रथम'' की नीति पर कार्य करने वाली राजनीतिक पार्टी है। भाजपा में जहां देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्य किया जाता है, वहीं आतंरिक लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए संगठन के कार्यों को भी लोकतांत्रिक रूप से पूरा किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसियों की दोगली नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि एक ओर भाजपा सरकार है, जिसने बजट में सभी 200 विधानसभाओं के लिए काम किया, वहीं दूसरी ओर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार थी, जो क्षेत्र और विधायक को देखकर विकास कार्य करवाती थी। भाजपा ने जो बजट पेश किया, उसकी क्रियान्विति के लिए कार्य भी किए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंच निष्ठाओं को मानते हुए कार्यकर्ता पार्टी की रीति और नीति पर विश्वास करता है। इन्हीं कार्यकर्ताओं की बदौलत आज भाजपा सुदृढ़ संगठन बन पाया है। भाजपा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को उपचुनावों के साथ संगठन चुनावों की भी जिम्मेदारी निभानी होगी।

मदन राठौड ने प्रदेश कार्यशाला के माध्यम से 29 अक्टूबर को प्रदेशभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन करने का आ ान किया। राठौड ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अक्टूबर देश की एकता के लिए रन फॉर यूनिटी दौड का आयोजन करने का आ ान किया है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के सदस्यता अभियान ने तेजी से लक्ष्य को पूरा किया है।

कार्यशाला में प्राथमिक सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि देशभर में 10 करोड सदस्यों में से 61 फीसदी सदस्य 35 साल से कम उम्र के है। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीति में देश का युवा विश्वास जता रहा है।

भाजपा उपाध्यक्ष एवं प्रदेश चुनाव अधिकारी नारायण पंचारिया ने संगठन पर्व की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के बाद प्रदेश चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की गई। अब जिला चुनाव अधिकारी और दो सह चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

कार्यशाला में सदस्यता अभियान में प्रदेश के टॉप 5 विधानसभा क्षेत्रों के संयोजक एवं सह संयोजकों को सम्मानित किया गया। इसमें कोटा की सांगोद, जयपुर की सांगानेर, विद्याधर नगर, आदर्श नगर, और उदयपुर शहर के संयोजकों को प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड एवं पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सह चुनाव अधिकारी दामोदर अग्रवाल ने किया और सहचुनाव अधिकारी हरिराम रणवां ने धन्यवाद दिया।

रोहतक-दिल्ली ट्रेन में विस्फोट

रोहतक, 28 अक्टूबर। रोहतक से दिल्ली जा रही सवारी रेल गाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोट हो गया। विस्फोट की वजह से एक बोगी में आग लग गई, जिससे चार यात्री गंभीर रुप से झुलस गए हैं।

हादसे के बाद घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर रेलवे पुलिस व स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। रेलवे और पुलिस की टीम ने

- एक बोगी में आग लगी, 4 यात्री गम्भीर रूप से झुलसे।

घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में पता चला है कि कोई व्यक्ति गंधक-पोटाश लेकर जा रहा था और उससे ही विस्फोट हुआ है।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से भी एक टीम मौके पर पहुंची और इस बारे में पूछताछ की। इसके अलावा एफ.एस.एल. की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके से जरुरी तथ्य जुटाए।

महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों...

- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी, भाई, उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो की पत्नी मैदान में है। पार्टी ने कई नेताओं के करीबी रिश्तेदारों को टिकट दिया है।
- महाराष्ट्र में तो परिवारवाद और भी बड़े स्तर पर है। भाजपा ने अशोक चव्हाण की बहु, मुम्बई भाजपा अध्यक्ष के भाई को टिकट दिया। भाजपा, कांग्रेस, शिव सेना व एन.सी.पी. सहित सभी दलों ने अपने बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को पर भरोसा जताया है कि आम कार्यकर्ता पर।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मामले में उच्च नैतिक मूल्यों का दावा नहीं कर सकती। भाजपा का टिकट पाने वाले इन नाते-रिश्तेदारों में अग्रलिखित लोग शामिल हैं- मीरा मुण्डा, जो पूर्व भाजपा मुख्यमन्त्री अर्जुन मुण्डा की पत्नी है, बाबूलाल सोरेन, जो जे.एम.एम. के पूर्व मुख्यमन्त्री चम्पई सोरेन के पुत्र हैं, पूर्णिमा दास, जो पूर्व मुख्यमन्त्री रघुवर दास की पुत्रवधू हैं, शत्रुध्न महतो, जो भाजपा सांसद दुल्लू महतो के भाई हैं, तथा रागिनी सिंह, जो पूर्व विधायक संजीव सिंह की धर्मपत्नी हैं। सीता सोरेन, जो जे.एम.एम. के जाने-माने नेता शिबु सोरेन की पुत्र-वधू है, भी जामताड़ा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि एक अन्य पूर्व मुख्यमन्त्री मधु कोडा की धर्मपत्नी गीता कोड़ा जगन्नाथपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी।

परिवारवाद का टैग जे.एम.एम. पर भी पूरी मजबूती के साथ लगा हुआ है। मुख्यमन्त्री हेमन्त सोरेन तो बरहेट से चुनाव लड़ ही रहे हैं, वहीं उनकी धर्मपत्नी कल्पना भी शान्डी सीट से दोबारा चुनाव लड़ रही हैं, तथा हेमन्त के भाई बसन्त भी दुमका सीट से पार्टी के उम्मीदवार हैं। इसी बीच, पूर्व उपमुख्यमन्त्री सुधीर महतो की धर्मपत्नी सविता ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, तथा पूर्व मन्त्री जगन्नाथ महतो की धर्मपत्नी बेबी देवी डुमरी सीट से पार्टी प्रत्याशी हैं। पूर्व मन्त्री हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हाफिजुल हसन मधुपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस में, पूर्व मन्त्री अवध बिहारी सिंह की पुत्रवधू दीपिका पाण्डे सिंह महागमा सीट से तथा पूर्वमन्त्री योगेन्द्र साहू की पुत्री अम्बा प्रसाद बड़कागाँव सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

लेकिन परिवारवाद की यह प्रवृत्ति महाराष्ट्र में और भी ज्यादा दिखाई दे रही है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गये अशोक चव्हाण की पुत्री श्रीजया भाजपा टिकट पर भोकर सीट से चुनाव लड़ रही हैं, वहीं मुम्बई भाजपा प्रमुख आशीष शेलर के भाई, विनोद शेलर मलाड पश्चिम से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि आशीष स्वयं बान्द्रा पश्चिम सीट से पुनः चुनाव मैदान में हैं। श्रीगोंडा में, मौजूदा विधायक बाबनराव पचौटे की पत्नी प्रतिभा चुनाव लड़ रही हैं। कल्याण पूर्व सीट से भाजपा मौजूदा विधायक गणपत गायलवाड़ की पत्नी सुलभा को टिकट दिया है। पूर्व केन्द्रीय मन्त्री नारायण राणे के दूसरे नम्बर के बेटे नीलेश शिवसेना (शिन्दे) प्रत्याशी के रूप में कान्दीवली सीट से चुनाव लड़ेंगे। चिंचवाड़ जिले में, वर्तमान विधायक अश्वनी जगताप के भाई शंकर भाजपा प्रत्याशी के रूप में खड़े किए गए हैं। शिन्दे के नेतृत्व वाली सेना ने राज्य के मन्त्री उदय सामन्त के भाई किरण को राजापुर से पुनः प्रत्याशी बनाया है। शिव सेना (शिन्दे) के सांसदों सन्दीपन मुमारे तथा रवीन्द्र वाड्कर के परिजनों को भी प्रत्याशी बनाया गया है। सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने आदित्य ठाकरे को वर्ली सीट से तथा चचेरे भाई वरुण सरदे साई को बान्द्रा पूर्व से खड़ा किया है। राज्यसभा सांसद संजय राउत के भाई सुनील विखरोली सीट से खड़े किए गए हैं। एम.एन.एस. नेता राज ठाकरे के पुत्र अमित मुम्बई की महिम सीट से खड़े किए गए हैं। सच तो यह है कि यह सूची अनन्त है।

'नड्डा और मैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बताये थे। उन्होंने जोर देते हुए कहा था कि एकता किसी भी राष्ट्र के लिये बहुत महत्वपूर्ण होती है।

होसबाले ने कहा, ''इस नारे के पीछे भावना क्या है? भावना यह है कि हिन्दू समाज को संगठित रहना चाहिये। अगर हम जाति, रंग, पंथ के आधार पर बँट जायेंगे, तो हम मार दिये जायेंगे। एकता हर राष्ट्र के लिये महत्वपूर्ण होती है। यह (कटेंगे-बँटेंगे) इन्हीं भावनाओं के सम्प्रेषण एक दूसरा तरीका मात्र है।''

प्रियंका ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर रखा। फिर उन्होंने मेरा हाथ अपने हाथ में लिया, मुझे एक जप माला दी। उन्होंने मुझसे अपने साथ काम करने को कहा, इसके 5-6 साल बाद मैं वहाँ गई। मैं बच्चों को पढ़ाती थी। हम बाथरुम साफ करते थे, खाना बनाने थे। तब मुझे उनका दर्द समझ में आने लगा। मैंने जाना सेवा क्या होती है। कैसे समुदाय एक दूसरे की मदद करता है। यही सब मैंने भू-स्खलन के समय वायनाड में देखा कि कैसे आप सब एक दूसरे की मदद कर रहे थे। मुझे आप पर गर्व है। आप साहसी लोग हैं।

भतीजे के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हित सरकार बनायेगा। उन्होंने कहा, ''हमारा गठबंधन महँगाई, बेरोज़गारी, कृषकों, महिलाओं, आदिवासियों और गरीबों से जुड़े सवालों के समाधान के लिये काम करेगा।''

महाराष्ट्र चुनाव की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कटिंग व पॉलिशिंग होती है। मुम्बई में ट्रेडिंग व एक्सपोर्ट होता है। डायमंड ट्रेड पार्क सूरत में बनाया गया। सरकार का कदम फेल हो गया क्योंकि अधिकांश हीरा व्यापारियों ने वापस अपना काम मुम्बई में सैट कर लिया।''

रमेश ने कहा, टाटा एयरबस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के अलावा वेदांता-फॉक्सकॉन चिप फैक्ट्री भी महाराष्ट्र से गुजरात ले जाई गई थी पर यह कदम भी सफल नहीं हुआ। ड्रग पार्क भी गुजरात शिफ्ट किया गया। टैक्सटाइल कमिश्नरेट ऑफिस जो 86 साल से मुम्बई में था को गत वर्ष बिना किसी कारण दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया, जबकि यह जाना माना तथ्य है कि मुम्बई मैट्रोपॉलिटन रीजन टैक्सटाइल का बड़ा केन्द्र है। दत्तोपंत ठेंगडी नैशनल बोर्ड फॉर वर्कर्स एजुकेशन एण्ड डवलपमैंट को भी वर्ष 2021 में नागपुर से हटा कर दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी ऐसे पक्षपात में भरोसा नहीं करता है। हम पूरे प्रदेश के समुचित विकास में यकीन करते हैं। नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स, स्पेशल इन्वैस्टमैंट ज़ोन्स और मॉडर्न उद्योगों से सभी भारतीयों को लाभ होना चाहिए, सिर्फ एक राज्य को नहीं।

क्या आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनका, कन्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) के रुप में कार्यकाल नवम्बर में समाप्त हो रहा है। माना जा रहा है कि मोदी प्रशासन के एक विश्वासपात्र ब्यूरोक्रैट का केन्द्र के वित्तीय मामलों के निरीक्षण के लिये चयन किया जाएगा। मुर्मू को एक्सटैंशन नहीं मिल सकता, क्योंकि उनकी नियुक्ति की शर्तों में साफ लिखा है कि रिटायर होने के बाद वे न एक्सटैंशन ले सकते हैं न कोई नया पद। वहीं, चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र (सी.ई.ए.) एवं सेबी चेयरपर्सन को संभवत: पुन: नियुक्त किया जा सकता है। आर.बी.आई. के बारे में निर्णय के एक महीने के बाद, सरकार को चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र (सी.ई.ए.), वी. अनंत नागेस्वरन के बारे में निर्णय लेना होगा। शीघ्र ही बजट की तैयारियाँ शुरु होने के कारण सी.ई.ए. के बारे में जल्दी निर्णय लिए जाने की संभावना है, क्योंकि सी.ई.ए. को ही बजट तथा इकोनॉमिक सर्वे के लिए आवश्यक तकनीकी सलाह देनी होती है।

माधवी पुरी बुच को लेकर उठे विवादों के कारण सेबी चीफ की नियुक्ति सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है। माधवी बुच इस रैगुलेटरी बॉडी के शीर्ष पद की अध्यक्षता करने वाली पहली महिला तथा पहली निजी क्षेत्र की नेता हैं। माधवी पुरी बुच पर अनियमितता तथा हितों के टकराव के आरोप लगे हैं, जिनका उन्होंने खण्डन किया है। इस बीच यह आंतरिक बहस चल रही है कि क्या सिविल सेवक ऐसी भूमिकाओं के लिए बेहतर हैं। मार्च 2022 में तीन साल के कार्यकाल के लिए सेबी चीफ बनी, माधवी बुच पुनर्नियुक्ति के लिए योग्य हैं, क्योंकि उनके कई पूर्ववर्तियों के ऐसे कार्यकाल रह चुके हैं। ए ग्रेड मिलने के बाद शक्तिकांत दास, डैनमार्क के क्रिश्चियन कैटल थॉमसन, एवं स्विट्ज़रलैंड के सैंट्रल बैंक के प्रमुख थॉमस जॉर्डन की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। ए ग्रेड प्राप्त करने वाले केन्द्रीय बैंकर्स हैं, ब्राज़ील के रॉबर्टो कैम्पोस नेटो, चिली के टोसन्ना कोस्टा, मॉरीशस के हरवेश कुमार सीगोलाम, मोरॉक्को के अब्देललतीफ जोआहरी, दक्षिण अफ्रीका के लेसेटजा कग्न्यागो, श्रीलंका के नंदलाल वीरसिंघे एवं वियतनाम के गुएन थी होंग। ग्लोबल फाइनैंस के अनुसार, विश्वभर के केन्द्रीय बैंकों के लिए, गत बारह महीने बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं। ये लोग न केवल महंगाई से लड़ रहे हैं तथा मंदी से बचने की कोशिश कर रहे है, और अक्सर अपने जॉब मार्केट को सपोर्ट कर रहे हैं, बल्कि ये दुनियाभर के अन्य तब बड़े केन्द्रीय बैंकों द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का पूर्वानुमान लगाने तथा उनसे डील करने का प्रयास भी कर रहे हैं और साथ ही साथ अपनी करैंसी की रक्षा करने में भी जुटे हुए है।

अक्सर कम विकास और कम इन्फ्लेशन की अपेक्षाओं के आधार पर एक नई मौद्रिक नीति की तैयारी करने के लिए भी काम कर रहे हैं। ये लोग आमतौर पर अन्य केन्द्रीय बैंकों के एक्शन पर हाथ की हाथ प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें आर्थिक स्थितियों के अलग अनुमान के आधार अपनी ब्याज दरों के साथ स्वतंत्र रुख अपनाने के खतरे व संभावनाएं भी शामिल हैं। इस प्रकार अधिकांश गवर्नर्स के लिए ग्रोथ व इन्फ्लेशन के बीच संतुलन बिठाने की कड़ी चुनौती तो रही ही है, साथ ही हर स्थिति पर बारीक नज़र भी रखनी पड़ती है।

भाजपा ने महाराष्ट्र की तीसरी सूची जारी की

- इस सूची में 25 प्रत्याशियों के नाम हैं। भाजपा अब तक 146 नाम घोषित कर चुकी है।

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया था। वहीं दूसरी सूची में 22 प्रत्याशियों के नाम घोषित किये थे। इस तरह से पार्टी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 146 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिये हैं। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

सुरक्षा बलों ने अखनूर में 3 आतंकी मारे

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। अफसरों ने बताया कि एक आतंकवादी की बॉडी मिल गई है। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल (एल.ओ.सी.) के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी, हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढे र कर दिया गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मुठभेड़ में सेना के डॉग फैंटम की भी मौत हो गई। जम्मू के डिफेंस पी.आर.ओ. ने कहा कि हम अपने डॉग फैंटम के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। हमारे सैनिक जब फंसे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंच रहे थे, तब फैंटम ने दुश्मन की गोलीबारी को झेला, जिससे वह घायल हो गया।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908